गाजियाबाद से प्रकाशित

अहम सत्ता

www.ahamsatta.com

(हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र)

वर्ष : 03 अंक : 29 | शुक्रवार 13 से 19 सितम्बर 2024,गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2021 / 86326 | पेज: 6 मूल्य : 2 रुपया

गाजियाबाद में अवैध निर्माण पर कार्रवाई 4 साइट ऑफिस और अन्य संरचनाएं ध्वस्त

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-8 की प्रभारी, श्रीमती गुंजा सिंह के नेतृत्व में आज 12 सितंबर 2024 को एक व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत थाना लोनी एवं ट्रोनिका सिटी क्षेत्र के अंतर्गत राशिद अली गेट से निठोरा रोड, सबलूगढ़ी रोड, पावी रोड, और घिटौरा रोड पर पूर्व में अवैध प्लॉटिंग और निर्माण की गईं साइटों पर कार्रवाई की गई। इन क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों के 4 साइट ऑफिस, सड़कों, खड़ंजों, और बाउंड्रीवाल को विधिवत रूप से ध्वस्त किया गया।

प्राधिकरण द्वारा सतत निगरानी

प्राधिकरण के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि इन स्थानों पर कोई भी अवैध निर्माण या अतिक्रमण दोबारा न हो। इसके लिए सतत निगरानी की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों को रोका जा सके। इस कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और क्षेत्रीय पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की गई थी।

विधिसम्मत कार्यवाही

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने जोर देते हुए कहा है कि

- **प्रवर्तन जोन-8 की प्रभारी गुंजा सिंह ने किया जोन का निरीक्षण**
- **राशिद अली गेट से निठोरा रोड तक अवैध प्लॉटिंग पर विधिवत ध्वस्तीकरण**
- **प्राधिकरण पुलिस बल और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई**
- **भूमि स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण करने का निर्देश**

अवैध निर्माण और विकास कार्यों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। निर्माणकताओं और विकासकताओं को साफ निर्देश दिए गए हैं कि केवल स्वीकृत मानचित्र के अनुसार ही निर्माण कार्य करें, अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आम जनता के लिए चेतावनी

साथ ही, आम जनता को भी सतर्क किया गया है कि किसी भी वादग्रस्त या विवादित भूमि पर निर्माण करने से बचें और ऐसे विवादित संपत्तियों का क्रय-विक्रय न करें। अवैध निर्माण और कालोनियों में निवेश करने से पहले विधिवत जांच कर लें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सके।

एक दिन शादी नहीं चली और देने पड़े 50 लाख

- दहेज उत्पीड़न कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने भी जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के मामलों से निपटने वाला सेक्शन 498ए देश में सबसे ज्यादा दुरुपयोग किए जाने वाला कानून है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह बात कही। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्र और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एक वैवाहिक मामले में विवाद की सुनवाई करते हुए यह बात कही। जस्टिस गवई ने गुजारा भत्ते पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में आजादी पाना ही सबसे अच्छी चीज है। अपनी इस टिप्पणी को विस्तार देते हुए

जस्टिस गवई ने एक केस को भी याद किया। उन्होंने कहा कि एक मामला ऐसा भी आया था, जब पति एक दिन भी पत्नी के साथ नहीं रहा। लेकिन जब वे अलग हुए तो 50 लाख रुपये की रकम उसे पत्नी को देनी पड़ी। जस्टिस गवई ने कहा, मैंने नागपुर में एक केस देखा था। उस मामले में युवक अमेरिका जाकर बस गया। उसकी शादी एक दिन भी नहीं चल पाई, लेकिन पत्नी को केस चलने पर 50 लाख रुपये की रकम देनी पड़ गई। मैं तो खुलकर कहता रहा हूं कि घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के कानून का सबसे ज्यादा गलत इस्तेमाल होता है। मेरी बात से शायद आप लोग सहमत होंगे। सेक्शन 498ए को लेकर लंबे समय से चर्चा रही है। इस कानून के आलोचकों का कहना रहा है कि अकसर महिला के परिवार वाले इस कानून का बेजा इस्तेमाल करते हैं। रिश्ते खराब होने पर पति और उसके परिवार वालों को फंसाने की धमकी दी जाती है।

समाजवादी पार्टी का आरोप

भाजपा सरकार झूठे एनकाउंटरों से प्रदेश को बना रही है राजधानी

अहम सत्ता

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर झूठे एनकाउंटरों का आरोप लगाया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में झूठे एनकाउंटरों का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने भाजपा को मठाधीश और माफिया में कोई अंतर न होने की बात कही और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री गुस्से में हैं और प्रदेश को फर्जी एनकाउंटर की राजधानी बना दिया है।

सुल्तानपुर घटना पर उठे सवाल

श्री यादव ने सुल्तानपुर की घटना का विशेष उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के नाम पर हत्या की जा रही है। उनका दावा है कि

मंगेश यादव की हत्या को लेकर झूठी कहानियां गढ़ी जा रही हैं और मुख्यमंत्री को पीड़ित परिवार की पीड़ा का एहसास नहीं है।

भ्रष्टाचार और जमीनों की लूट का आरोप

उन्होंने भाजपा सरकार पर जमीनों की लूट, भ्रष्टाचार और झूठे एनकाउंटर के नाम पर हत्याओं का आरोप लगाया। श्री यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य एनकाउंटर के माध्यम से लोगों को डराना और नियंत्रण रखना है।

पिछले एनकाउंटरों पर सवाल उठाया

श्री यादव ने कहा कि पिछले समय में भी उत्तर प्रदेश में कई झूठे एनकाउंटर हुए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा पीड़ित पीडीए परिवार के लोग हैं। उन्होंने पहले भी नोएडा में जिम इन्सट्रक्टर के झूठे एनकाउंटर का मामला उठाया था, लेकिन सरकार ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

बुलंदशहर में वाहन चोरी की फैक्ट्री सीज, 16 आरोपी गिरफ्तार

1. मुख्य आरोपी फरार, 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित
2. सीज फैक्ट्री से 250 से अधिक वाहन बरामद
3. दो सिपाही और ड्राइवर लाइन हाजिर, SSP का सख्त एक्शन

अहम सत्ता

जावेद खान

बुलंदशहर में एसएसपी श्लोक कुमार के नेतृत्व में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। गैर राज्यों से चोरी के वाहनों को लाकर काटने वाली एक फैक्ट्री को सीज किया गया, जिसमें 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। फैक्ट्री से तीन चोरी की गाड़ियाँ बरामद हुईं और लगभग 250 से अधिक वाहन मौके पर पाए गए। हालांकि, फैक्ट्री का मालिक और मैनेजर अब भी फरार हैं, जिन पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने इस कार्रवाई के तहत दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है, जबकि एक सिपाही और ड्राइवर को भी लाइन हाजिर किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भारत विरोधी सांसद से मिलकर बुरे फंसे राहुल गांधी

भाजपा हमलावर,पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा कहा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विरोधी दल राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा विवादों में घिरती नजर आ रही है। उन्होंने भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से भी मुलाकात की है। इल्हान उमर ने कुछ समय पले पीओके की यात्रा की थी। साथ ही उन्होंने कश्मीर पर भारत के नियंत्रण की भी आलोचना की थी। ऐसा माना जाता है कि इल्हान की पीओके यात्रा पाकिस्तान के द्वारा प्रायोजित थी। इतना ही नहीं, इल्हान पर आरोप है कि उन्होंने झूठी खबर फैलाई कि 20 करोड़ मुसलमान नरसंहार के कगार पर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान विश्वविद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों के अलावा भारतीय प्रवासियों से भी बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी सांसदों से भी मुलाकात की थी। रेबर्न हाउस ऑफिस बिल्डिंग में हुई बैठक की मेजबानी सांसद ब्रैडली जेम्स शेरमेन ने की और इसमें अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य जोनाथन जैक्सन, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, बारबरा ली, श्री थानेदार, जीसस जी. चुय गार्सिया, इल्हान उमर, हैंक जॉनसन और जान शाकोवस्की शामिल थे। राहुल गांधी ने अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू और सांसद प्रमिला जयपाल से भी

मुलाकात की। राहुल गांधी के साथ इल्हान उमर की एक तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। इसके बाद सत्तारूढ़ भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमलावर है। पार्टी के प्रवक्ता और आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने भी हमला बोला है। मालवीय ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में लिखा, भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में इल्हान उमर से मुलाकात की, जो पाकिस्तान प्रायोजित भारत विरोधी आवाज है। एक कट्टरपंथी इस्लामवादी और स्वतंत्र कश्मीर की पैरोकार है।

वेव सिटी बिल्डर से प्रभावित किसानों की आर-पार की लड़ाई की चेतावनी, 18 सितंबर को होगा घेराव

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

गाजियाबाद भारतीय किसान संगठन के नेतृत्व में ग्राम इकला में वेव सिटी बिल्डर से प्रभावित गांवों के किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 21 अगस्त 2024 को भारतीय किसान संगठन द्वारा वेव सिटी बिल्डर के मुख्य द्वार को बंद करने के बाद हुए घटनाक्रम पर चर्चा की गई। उस समय जिला प्रशासन और गाजियाबाद प्राधिकरण ने किसानों को आश्वासन दिया था कि 12 सितंबर को बिल्डर के साथ एक बैठक कर किसानों और बिल्डर के बीच हुए पूर्व समझौते को लागू कराया जाएगा। इस आश्वासन के बाद किसानों ने वेव सिटी के मुख्य द्वार को आम जनता के लिए खोल दिया था। हालांकि, किसानों का आरोप है कि जिला प्रशासन ने अब तक वादाखिलाफी की है और उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस बैठक में भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने कहा कि किसान इस बार आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं और 18 सितंबर को फिर से वेव सिटी का घेराव करेंगे। जब तक समझौते को लागू नहीं किया जाता, किसान वहीं धरना देंगे। बैठक में किसानों के साथ हो रहे बार-बार के छल से सभी लोग आक्रोशित नजर आए और उन्होंने एक मत होकर आगामी 18 सितंबर को वेव सिटी के मुख्य द्वार और कार्यालय को बंद करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही गांव-गांव जाकर जन जागरण अभियान चलाने का भी संकल्प लिया गया। 18 सितंबर को भारी संख्या में किसान ट्रैक्टरों के साथ वेव सिटी बिल्डर के मुख्य द्वार पर पहुंचेंगे। इस मौके पर आनन्द नागर, विजय मुखिया, धर्मे प्रधान दुरई, भोजी प्रधान इनायातपुर, मोहित, महेंद्र प्रधान इकला, सतीश त्यागी बयाना, लोकेश नागर (जिला अध्यक्ष गाजियाबाद), राजेश यादव, कृष्णपाल, अनुज चौधरी आदि लोग भी उपस्थित रहे।

- **किसानों ने वेव सिटी बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान**
- **प्रशासन की वादाखिलाफी से किसानों में आक्रोश 18 सितंबर को ट्रैक्टरों के साथ वेव सिटी मुख्य द्वार पर होगा भारी प्रदर्शन**
- **गांव-गांव जन जागरण अभियान शुरू**

फर्जी योजनाओं से सावधान

अहम सत्ता

दावा: केंद्र सरकार द्वारा ₹फ्री आटा चक्की योजना₹ के तहत महिलाओं को निःशुल्क सोलर आटा चक्की मशीन दी जाएगी।

PIBFactCheck

यह दावा फर्जी है।

केंद्र सरकार ऐसी कोई योजना नहीं चला रही है।

किसी भी संदिग्ध प्लेटफार्म पर निजी जानकारी साझा करने से बचें।

सरकार ने साफ किया है कि इस तरह की कोई योजना लागू नहीं है, और इस तरह के भ्रामक दावों पर भरोसा न करें। जागरूक रहें और किसी भी फर्जी जानकारी से खुद को सुरक्षित रखें।

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

ललित गर्ग

> निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है।

जवायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है।

यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 में यह चेताया भी है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।

हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता? ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्त्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दशार्ते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिदेर्शों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की लालसा एवं भौतिकतावादी जीवनशैली की चमक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा?

रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। सरकारें अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य देकर समस्या को कमतर दिखाने की कोशिशें करती है। लेकिन हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे राष्ट्र को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? वास्तव में यह विभिन्न राज्य सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

संपादकीय

कठघरे में ममता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद जवाहर सरकार का पार्टी और राज्य सभा की सदस्यता से त्यागपत्र देने का साफ संदेश है कि कोलकाता के आर.जी. कर अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले को ममता की सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। लोकतंत्र 'जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए' शासन कहा जाता है। लोकतांत्रिक सरकारें जनता के प्रति उत्तरदायी होती हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आमतौर पर भारत की लोकतांत्रिक सरकारें जनता की आवाज को अनसुना कर देती है। राज्य की शक्तियों का इस्तेमाल जनता की आवाज को कुचलना और दबाने के लिए किया जाता है। पश्चिम बंगाल के इस संवेदनशील मामले में भी ऐसा ही देखा गया और इसी का परिणाम है कि सरकार की नाकामियों के विरुद्ध डॉक्टर और आमजनों का आंदोलन व्यापक होता जा रहा है। लोगों को याद होगा कि 75 के बिहार छात्र आंदोलन की आवाज को भी राज्य और केंद्र की सरकार ने पुलिस के बल पर दबाने की कोशिश की थी। परिणाम यह हुआ कि तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपने जीवन का सबसे सर्वनाकर का सामना करना पड़ा था। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी पूर्ववर्ती वाममोर्चा की सरकार पर भी जनता की आवाज को दबाने का आरोप लगाया करती थीं। सत्ता में आने के बाद वह खुद इसी तरह का आचरण कर रही हैं। इसमें हैरानी की बात भी नहीं है क्योंकि इस तरह की चिताओं का सत्ताओं का यही चरित्र होता है। ममता बनर्जी इस जन आक्रोश को केंद्र सरकार और वामपंथी पार्टियों की साजिश बता रही हैं जबकि सरकार प्रशिक्षु डॉक्टर के मामले पर हो रहे विरोध प्रदर्शन को स्वतः स्फूर्त बता रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार के खिलाफ ऐसा गुस्सा और अविश्वास कभी नहीं देखा है। सरकार की छवि ईमानदार नौकरशाह की रही है। वह केंद्र की भाजपा की नीतियों से छुब्ध होकर टीएमसी में शामिल हुए हैं। अब उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। जाहिर है ऐसे ईमानदार व्यक्ति के पद त्याग का मतलब है कि टीएमसी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रशिक्षु डॉक्टर से की गई हैवानियत की केस दर्ज करने में पुलिस द्वारा की गई 14 घंटे की देरी पर सवाल उठाया और पोस्टमार्टम के लिए आवश्यक कागजात नहीं होने पर चिंता जताई है। देखना है कि जुझारू नेता रहीं ममता इन मुश्किलों का सामना कैसे कर पाती हैं?

चिंतन-मनन

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सद्गुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूँ, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छी तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो। यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है,

अहम सत्ता

(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)

RNI NO: UPHIN/2021/86326

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक शकील अहमद द्वारा वैकुंठ मीडिया प्रा.लि. सी-285, सेक्टर-11, विजयनगर गाजियाबाद से छपवाकर प्रथम तल, चौधरी काम्पलेक्स, निकट कल्लू की आरा मशीन, डासना स्टैंड, एन.एच.-9, गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : शकील अहमद

मो.: 9990200332

बलात्कार के खिलाफ आवाजें क्यों दब जाती हैं?

लेखकः शकील अहमद (मुख्य संपादक)

अहम सत्ता

हाल ही में कोलकाता के एक अस्पताल में हुए बलात्कार के मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। लोगों ने सड़कों पर उतरकर कैंडल मार्च निकाला, सोशल मीडिया पर गुस्सा जाहिर किया, और न्याय की मांग की। लेकिन कुछ ही दिनों बाद, जैसे ही समय बीता, चारों ओर शांति छा गई। लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त हो गए, और यह घटना भी अन्य कई घटनाओं की तरह धीरे-धीरे गुम होती चली गई।

यह चौंकाने वाला नहीं है। भारत में, जब भी कोई बड़ा अपराध, खासकर बलात्कार, होता है, एक अस्थायी उबाल देखने को मिलता है। लोग गुस्से में होते हैं, सड़कों पर निकलते हैं, सोशल मीडिया पर अभियान चलाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ शांत हो जाता है। बलात्कार की घटनाएं हालांकि थमने का नाम नहीं लेतीं, बल्कि लगातार बढ़ रही हैं।

बलात्कार के पीछे का राजनीतिक संरक्षण

एक बड़ी चिंता यह है कि कई बलात्कार मामलों में आरोपियों का संबंध किसी न किसी रूप से राजनीतिक तंत्र से होता है। इससे उनकी हिम्मत और भी बढ़ जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि जिन लोगों पर कानून लागू करने की जिम्मेदारी होती है, उनमें से कुछ ही खुद अपराध में लिप्त पाए जाते हैं। यह शक्ति और सत्ता का दुरुपयोग है, जो अपराधियों को संरक्षण प्रदान करता है।

राजनीतिक जुड़ाव रखने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में कानून और प्रशासन अक्सर असफल रहते हैं। कारण स्पष्ट है झ अगर कठोर कानून बनाए जाते हैं और पूरी तरह से लागू किए जाते हैं, तो सबसे पहले वही नेता और उनके करीबी जेल में होंगे, जो इन अपराधों में लिप्त हैं। यही कारण है कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के लिए ठोस कानून बनाने में सरकारें ढिलाई बरतती हैं।

अवाजें क्यों दब जाती हैं?

बलात्कार के मामलों में जब लोग सड़कों पर उतरते हैं, तब उन्हें एक उम्मीद होती है कि उनकी आवाज सुनी जाएगी और न्याय होगा। लेकिन समय के साथ, यह उम्मीद फीकी पड़ जाती है क्योंकिः

1. प्रणाली की धीमी गतिः न्यायिक प्रक्रिया अत्यधिक धीमी है। बलात्कार के मामलों में दोषियों को सजा दिलाने में वर्षों लग जाते हैं। इस धीमी न्याय प्रणाली के कारण पीड़ित परिवार थक-हारकर चुप हो जाता है।

2. समाज का सामूहिक भूल जाना : कुछ समय के बाद, समाज अन्य मुद्दों की ओर ध्यान देने लगता है। यह मानवीय स्वभाव है कि जब तक कोई समस्या व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करती, लोग उसे भुला देते हैं।

3. **मीडिया का ध्यान भटकनाः** मीडिया भी शुरूआत में जोर-शोर से मामले को कवर करता है, लेकिन बाद में अन्य खबरों की ओर ध्यान केंद्रित कर लेता है। इसके बाद उस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस खत्म हो जाती है।

4. राजनीतिक दबावः कई मामलों में राजनीतिक दबाव के चलते मामलों को दबा दिया जाता है या जांच में ढिलाई बरती जाती है। प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है, और इस कारण भी लोग आवाज उठाना बंद कर देते हैं।

भारत में कानून कैसे पास किया जाता है?

लेखकः चौधरी अफसर
समाचार संपादक

अहम सत्ता

भारत में कानून पास करने की प्रक्रिया एक सुसंगठित और चरणबद्ध प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया भारतीय संविधान द्वारा निर्धारित की गई है और इसे तीन प्रमुख चरणों में बांटा जा सकता हैः विधेयक का प्रस्ताव, संसद में चर्चा, और राष्ट्रपति की मंजूरी। आइए इस प्रक्रिया को विस्तार से समझते हैं:

1. विधेयक का प्रारूप और प्रस्ताव

किसी भी कानून की शुरूआत एक विधेयक (Bill) से होती है। विधेयक को संसद के किसी भी सदस्य द्वारा प्रस्तावित किया जा सकता है, चाहे वह सरकार का हिस्सा हो या विपक्ष का। यदि विधेयक सरकार के किसी मंत्री द्वारा पेश किया जाता है, तो उसे *सरकारी विधेयक* (Government Bill)कहते हैं, और यदि इसे संसद के किसी साधारण सदस्य द्वारा पेश किया जाता है, तो उसे *साधारण विधेयक* (PrivAte Member's Bill) कहते हैं।

2. विधेयक का संसद में परिचय

विधेयक को सबसे पहले लोकसभा या राज्यसभा में पेश किया जाता है। इसे तीन चरणों में पारित किया जाता हैः

पहला चरण (First Reading): इस चरण में विधेयक को प्रस्तुत किया जाता है और इसका परिचय दिया जाता है। इसके बाद विधेयक पर कोई चर्चा नहीं होती और उसे संबंधित समिति को भेजा जाता है या सीधे चर्चा के लिए रखा जाता है।

दूसरा चरण : इस चरण में विधेयक पर विस्तृत चर्चा होती है। संसद के सदस्य विधेयक के प्रत्येक प्रावधान पर विचार करते हैं और संशोधन प्रस्तावित कर सकते हैं। इसके बाद, विधेयक को संसद की समिति द्वारा समीक्षा की जाती है, जहां इसे और गहराई से परखा जाता है।

तीसरा चरण : यह अंतिम चरण होता है, जहां संसद में विधेयक पर बहस होती है और अंत में उसे *मतदान* के लिए रखा जाता है। यदि विधेयक को बहुमत मिल जाता है, तो वह पास हो जाता है।

3. राज्यसभा में पारित होना

अगर विधेयक लोकसभा में पास हो जाता है, तो उसे राज्यसभा में भेजा जाता है। राज्यसभा में भी तीन चरणों में यही प्रक्रिया दोहराई जाती है। अगर राज्यसभा में विधेयक पास हो जाता है, तो वह राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है। यदि राज्यसभा विधेयक को अस्वीकार करती है या उसमें संशोधन करती है, तो विधेयक फिर से लोकसभा में भेजा जाता है।

4. राष्ट्रपति की मंजूरी

विधेयक के दोनों सदनों में पास हो जाने के बाद, इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाता है। राष्ट्रपति के पास तीन विकल्प होते हैं:

1. वे विधेयक को मंजूरी दे सकते हैं।
2. वे विधेयक को पुनर्विचार के लिए संसद में वापस भेज सकते हैं।
3. वे मंजूरी देने से इंकार नहीं कर सकते; अगर वे विधेयक को पुनर्विचार के लिए नहीं भेजते और समय सीमा बीत जाती है, तो विधेयक स्वतः पास माना जाता है।

राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद, विधेयक *कानून* बन जाता है और उसे *राजपत्र* में प्रकाशित किया जाता है।

विशेष प्रक्रियाएं

1. धन विधेयक (MONEY Bill): धन विधेयक केवल लोकसभा में पेश किया जा सकता है और राज्यसभा के पास इसे पारित करने का अधिकार नहीं होता। राज्यसभा केवल सुझाव दे सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय लोकसभा का होता है।

2. संविधान संशोधन विधेयक (Constitution Amendment Bill)संविधान संशोधन विधेयक के लिए विशेष प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसमें दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है।

विधवा भाभी से ननदोई व देवरो ने किया छह माह तक बलात्कार नहीं हुई कोई कार्यवाही

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

नारी शक्ति नारी सम्मान सेवा समिति की अध्यक्ष यासमीन जहां पीड़िता के साथ एसएससी ऑफिस पहुंची मीडिया से बातचीत करते हुए यास्मीन जहां ने बताया मेरे किमेरे पास पीड़िता अपने बुजुर्ग पिता के साथ आई थी और पीड़िता ने बताया था कि उसके पति की मृत्यु हुए अभी दो साल हुए हैं जब मेरे पति की मृत्यु हुए कुछ दिन ही हुए थे के उसके दो देवर तथा ननदोई ने उसे अपने हवस

का शिकार बना लिया और जबरजस्ती लगभग छह माह से उसके साथ लगातार रेप करते रहें किसी तरह से उसने पुलिस में इसकी शिकायत की तो पुलिस ने भी उसकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की और मेरे ससुर सास देवर ने मुझे बहुत मारा और कहां अगर तूने अब पुलिस में शिकायत की तो तूझे और तेरे बच्चें को जान से मार देंगे पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए पीड़िता के ससुर ने मेरे देवर जो मेरा रेप करता था से माला गले में डलवा कर फोटो खींच ली और कहां अब तू यही इनके साथ रहेगी तेरी इसकी शादी करा दी है मेरे माता पिता को भी बुला कर फोटो खींच ली इसके बाद भी उनका अत्याचार कम नहीं हुआ आय दिन हवस का शिकार बनाता रहा किसी तरह से मैंने माता-पिता से इसकी शिकायत की तो पुलिस ने मुझे छुड़ाया और मायके भेज दिया ससुर ने कहा अगर तूने किसी से शिकायत की तो मैं तेरे लड़के को मार डालूंगा

मेरे साथ रेप करते हुए मेरे ननदोई देवर ने अश्लील वीडियो फोटो बना लिए जिन्हे वायरल करने की धमकी दे कर मुझे बदनाम करने की धमकी देते है

गाजियाबाद से कपिल शर्मा ने कि टी-सीरीज सुप्रसिद्ध भजन गायक कुमार विशु से एक खास मुलाकात

अहम सत्ता

संवाददाता कपिल शर्मा

गाजियाबाद गणेश उत्सव के उपलक्ष पर गणेश महोत्सव में आए टी-सीरीज भजन सम्राट सुप्रसिद्ध गायक कुमार विशु ने अपने भजनों से गाजियाबाद के सभी भक्तों को भाव विभोर किया कुमार विशु ने अपने पुराने भजन कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं और अमृत पिलाने से क्या फायदा अपने पुराने भजन नहीं चाहिए दिल दुखाना किसी का सदा ना रहा है सदा ना रहेगा नहीं चाहिए दिल दुखाना किसी का और गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ दी भजनों भक्तों को दिल मोह लिया और गाजियाबाद से कपिल शर्मा ने सुप्रसिद्ध गायक कुमार विशु से

भी खास मुलाकात की और कुमार विशु ने कहा कि मैं कोशिश करूंगा कि आप सभी को अपने भजनों और एक नई पेशकश कुमार विशु के यूट्यूब चैनल कुमार विशु सभी लाइक करें सब्सक्राइब करें और एक नया भजन भी कुमार विशु का जल्द आने वाला है यूट्यूब चैनल पर कुमार विशु ने कपिल शर्मा को विश्वास दिलाया कि मैं बहुत जल्द आपको अपने भजन नो को जरूर सुनाऊंगा

कुमार विशु ने गणेश उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं बधाई दी कपिल शर्मा को और गाजियाबाद की समस्त भक्तों को और जनता को गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ

जनपद में अवैध रूप से चल रहे 35 पैथोलॉजी लैब्स और क्लिनिक को किया गया सील

अहम सत्ता (जावेद खान)

CMO ने ACMO के साथ मिल कर जिलेभर में छापामारी कर अवैध क्लिनिक और लैब्स की सील। शिकायत के आधार पर झोलाछाप डॉक्टर, अवैध अस्पताल एवं पैथोलॉजी लैब्स पर कार्रवाई से हड़कम्प। बुलंदशहर, डिबाई, अनुपशहर , जहांगीराबाद, नरौरा समेत जिले में 35 पैथोलॉजी लैब्स, क्लीनिक एवं अस्पताल किये गए सील।

विकास प्राधिकरण के द्वारा कराएं गए सौंदर्यीकरण एवं

सेल्फी प्वाइंट का मा० आयुक्त मेरठ मंडल श्रीमती सेल्वा कुमारी जी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

अहम सत्ता (जावेद खान)

बुलंदशहर विकास प्राधिकरण के द्वारा डीएवी फ्लाई ओवर के नीचे कराए गए सौंदर्यीकरण एवं सेल्फी प्वाइंट का मा0 आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ श्रीमती सेल्वा कुमारी जे0 ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस मौके पर जिलाधिकारी श्री चन्द्र प्रकाश सिंह, मा0 विधायक सदर श्री प्रदीप चौधरी, उपाध्यक्ष बुलंदशहर विकास प्राधिकरण डा0 अंकुर लाठर , सीडीओ श्री कुलदीप मीना सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

टूटी सड़कों से गुजरने वाले लोगों में पनप रहा भारी रोष

अहम सत्ता (जावेद खान)

बुलंदशहर में तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है आज अलग-अलग क्षेत्रों से तीन मकान ढहने की खबर है तो वहीं नगर की सड़कों का गढ्ढों में पानी भरने से ई-रिक्शा पलटने से लोग चोटिल हो रहें हैं स्कूटी बाइक वाले लोग भी बारिश का पानी भरा होने के कारण गढ्ढों में आने से अनायास ही गिर कर घायल हो गए हैं। अगर बुलंदशहर नगर की सड़कों की बात करें तो शायद ही इतना बुरा हाल सड़कों का इससे पहले कभी देखने को मिला हो। इतने हादसों के बाद भी संबंधित विभाग व बुलंदशहर प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।जिस कारण जनता में भारी रोष पनप रहा है। एक सूचना के मुताबिक अब भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह और व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान सड़क के मुद्दे को लेकर एक बड़ा आन्दोलन करने की रणनीति पर विचार कर रहे हैं। ये हाल इस जिले का तब है जबकि यहां नगरपालिका चेयरमैन,सांसद तथा सात विधायक भारतीय जनता पार्टी से है, पर शायद जनता आम आदमी की परेशानी से किसी को कोई लेना-देना नहीं है।

गाजियाबाद के आरडीसी में शराब की दुकान पर सेल्समैनों की पिटाई, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

अहम सत्ता

➤ऑनलाइन पेमेंट को लेकर तीन व्यक्तियों ने की सेल्समैनों की पिटाई

➤पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की कोशिशें तेज की

गाजियाबाद के थाना कवि नगर क्षेत्र स्थित आरडीसी में बीती रात एक शराब की दुकान पर विवादित घटना घटित हुई। शराब खरीदते समय ऑनलाइन पेमेंट को लेकर हुए विवाद में तीन व्यक्तियों ने दुकान के सेल्समैनों की जमकर पिटाई कर दी। इस घटना के बाद दुकान के संचालक ने कवि नगर थाने में सभी आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

हालांकि, अब तक पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है, लेकिन शराब की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। वीडियो में स्पष्ट रूप से दिखाया गया है कि तीन व्यक्तियों द्वारा सेल्समैनों की बेरहमी से पिटाई की जा रही है। कवि नगर के एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस का दावा है कि मामले की गहन जांच चल रही है और दोषियों को जल्द से जल्द हिरासत में लिया जाएगा।

ADG जोन मेरठ डीके ठाकुर की बड़ी कार्यवाही

थाने से मात्र 300 मीटर की दूरी पर काटी जा रही थी चोरी की गाड़ियां

अहम सत्ता

ADG जोन मेरठ डीके ठाकुर ने बुलंदशहर में अवैध गाड़ी कटान पर 15 दिनों में ररढ से मांगी रिपोर्ट।

एडीजी डीके ठाकुर ने खुर्जा देहात थाने के वर्तमान से लेकर तत्कालीन थाना प्रभारीयों के दिए जांच के आदेश।

अवैध काटन काटी जा रही चोरी की गाड़ियों में यदि थाना प्रभारीयों की संलिप्तता की होगी जांच, जांच में दोषी पाए जाने पर होगी बड़ी कार्रवाई।

एडीजी ने कहा थाना पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों के इस अवैध कटान के प्रकरण में संलिप्तता/ लापरवाही/ अकर्मण्यता के संबंध में प्रारंभिक जांच कराकर संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करें।

खुर्जा देहात थाने से 300 मीटर दूरी पर चल रहा था अवैध कटान स्क्रैप की अनुमति की आड़ में काटी जा रही थी चोरी की गाड़ियां।

फैक्ट्री संचालक सहित 19 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज, बड़े पैमाने पर चल रही थी गाड़ियों की अवैध कटान की फैक्ट्री!

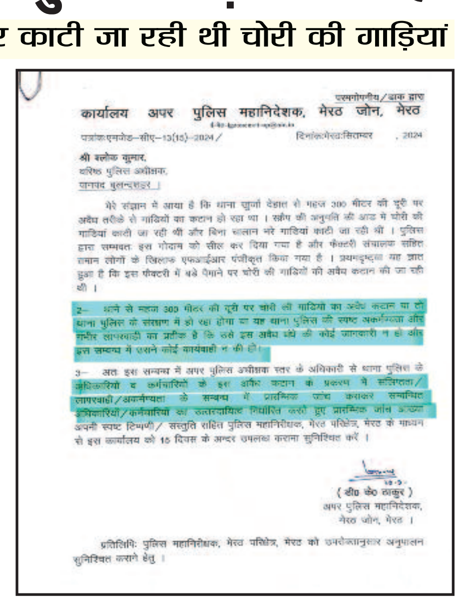

कार्यालय अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन, मेरठ

पत्रांकःएमजेड-सीए-13(15)-2024/ दिनांकःमेरठःसितम्बर , 2024

श्री श्लोक कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद बुलन्दशहर।

(डी० के० ठाकुर) अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन, मेरठ।

झमाझम बारिश में गिर गया गरीब का आशियाना तीन घायल

अहम सत्ता

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव लुहारी में झमाझम बारिश के चलते ढह गया गरीब का आशियाना पत्नी बेटा बेटी हुए घायल।

बता दें कि बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव लुहारी में 24 घंटे से लगातार हो रही झमाझम बारिश के चलते गरीब इकरामुद्दीन का आशियाना गिरकर हुआ जमींदोज जिसमें पत्नी मीना 58 वर्ष,बेटा फैजान 9वर्ष, बेटी अफसाना 6 वर्ष, घायल हो गए। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे। पुलिस क्षेत्राधिकारी जितेंद्र शर्मा, थाना प्रभारी अरविंद चौधरी, हल्का लेखपाल साकिब के साथ क्षतिग्रस्त मकान का मौका मुआयना करते हुए घायलों का हाल-चाल जाना और उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया। और उन्हें आर्थिक मदद कराने की सांत्वाना देते हुए रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित की गई है।

फर्जी नियुक्ति पत्र का दावाः PIBFactCheck से खुलासा

अहम सत्ता

1. फर्जी नियुक्ति पत्र की सूचना

हाल ही में एक नियुक्ति पत्र वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार वन विभाग में प्रतिनिधि की भर्ती कर रही है। इसके अनुसार, चयनित उम्मीदवारों को 31,385 वेतन मिलेगा, लेकिन भर्ती के लिए 550 पंजीकरण शुल्क देना होगा।

2. PIBFactCheck ने किया खुलासा

PIBFactCheckने इस नियुक्ति पत्र को फर्जी घोषित किया है। मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, *पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय* द्वारा ऐसा कोई नियुक्ति पत्र जारी नहीं किया गया है।

3. सावधानी बरतने की सलाह

नागरिकों को ऐसे फर्जी विज्ञापनों और नियुक्ति पत्रों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है। नौकरी से संबंधित किसी भी सूचना की पुष्टि सरकारी स्त्रोतों या आधिकारिक वेबसाइटों से की जानी चाहिए।

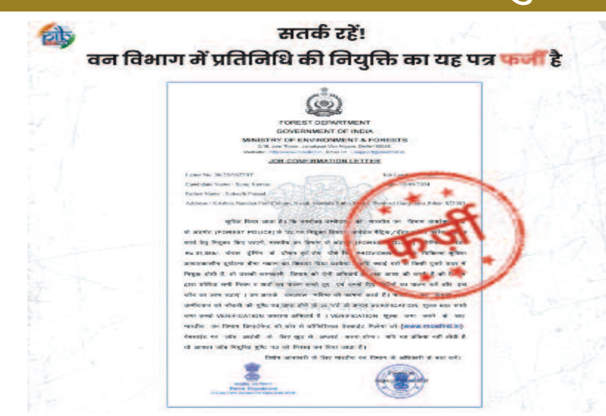

आरएसके इंटर कॉलेज में जिला वॉलीबॉल अध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंह औलख ने फीता काटकर बहु प्रतीक्षित प्रतियोगिता 2024 का किया शुभारंभ

अहम सत्ता

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के सिंभावली ब्लॉक के अंतर्गत हिम्मतपुर रोड पर स्थित शिक्षा के मंदिर के रूप में अग्रणीय आर एस के इंटर कॉलेज में वॉलीबॉल जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंह औलख के द्वारा वॉलीबॉल 2024 बहुप्रतिक्षित प्रतियोगिता का फीता काट कर शुभारंभ किया गया।

बता दें कि आरएसके इंटर कॉलेज में 12 सितंबर को सिंभावली हापुड़ में पूर्व निर्धारित एवं बहुप्रतीक्षित जनपदीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2024 संपन्न हुई। जिसका शुभारंभ जनपदीय वॉलीबॉल जिला

अध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंह औलख के द्वारा फीता काटकर किया गया। और आयोजित प्रतियोगिता को विशिष्ट अतिथि संदीप सिंधु विद्यालय प्रबंधन समिति प्रबंधक, चौधरी शीशपाल सिंह प्रधानाचार्य डॉक्टर राजीव कुमार गोहित के द्वारा संपन्न कराया गया। आरएसके इंटर कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता में बालिका वर्ग की अंडर-19 अंडर 17 एवं अंडर 14 का आरएसके इंटर कॉलेज सिंभावली हापुड़ एवं एकेपी इंटर कॉलेज हापुड़ की टीम ने प्रति भाग किया। जिसमें अंडर-19 अंडर 14 में कीड़ा प्रभारी सुरेंद्र त्यागी के नेतृत्व वाली आरएसके इंटर कॉलेज की टीम विजय रही। बालिका वर्ग की अंडर 17 में श्रीमती वीरेंद्री मैडम के नेतृत्व वाली एकेपी इंटर कॉलेज हापुड़ की टीम विजय रही। वही प्रतियोगिता में विजय रहने वाली टीम के खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा की युवा वर्ग के खिलाड़ी हमारे देश की शान है।

जिला पंचायत बुलंदशहर अपर मुख्य अधिकारी श्री धर्मजीत त्रिपाठी जी को

अमृतसर में आईआईएम में ज्वांइट सेक्रेटरी पंचायतीराज श्री विकास आंनद के द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

अमृतसर में आईआईएम में उत्तर प्रदेश बुलंदशहर से जिला पंचायत अपर मुख्य अधिकारी श्री धर्मजीत त्रिपाठी को ज्वांइट सेक्रेटरी पंचायतीराज श्री विकास आंनद के द्वारा उत्कृष्ट कार्य एवं शासन की अनेकों योजनाओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराएं जाने तथा समय-समय पर अपने लेख के माध्यम से जन-मानस में जागरूकता को लेकर किया गया सम्मानित।

पंचायतीराज मंत्रालय भारत सरकार की ओर से भारतीय प्रबंधन संस्थान अमृतसर में दस राज्यों से 36 प्रतिनिधियों व अधिकारियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान प्रबंधन एवं विकास कार्य के बारे में जरूरी टिप्स दिए गए। उत्तर प्रदेश पंचायतीराज के द्वारा जिलापंचायत अपर मुख्य अधिकारी बुलंदशहर श्री धर्मजीत त्रिपाठी बुलंदशहर का चयन करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। सम्मेलन में श्री धर्मजीत त्रिपाठी जी के द्वारा कराए गए कार्यों की जमकर सराहना की गई। इस अवसर पर पंचायतीराज भारत सरकार के कंसल्टेंट सुश्री जीनत तिवारी और आईआईएम की प्रोफेसर अनन्या स्याल भी उपस्थित रहे।

भाजपा महानगर अध्यक्ष का झूठा श्रेय

ई-रिक्शा चालकों की समस्याओं का समाधान अभी भी अधूरा

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

भाजपा महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में गाजियाबाद की सड़कों पर ई-रिक्शा चलाने पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर भारी विवाद छिड़ा हुआ है। हाल ही में कुछ सड़कों से प्रतिबंध हटाने का दावा किया गया, लेकिन कई महत्वपूर्ण सड़कें, जैसे हापुड़ रोड और राजनगर रोड, अब भी बंद हैं। इन सड़कों पर ई-रिक्शा चलाने वाले चालक, जिनकी जीविका इन मार्गों से जुड़ी है, अब भूखे मरने की कगार पर हैं।

भाजपा महानगर अध्यक्ष, जिन्हें कुछ लोग ऐतिहासिक मानते हैं, अपनी ही सरकार में पुलिस कमिश्नर को

ज्ञापन देने पहुंचे। यह एक असामान्य परंपरा है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे ज्ञापन विपक्षी दल देते हैं। खुद की सरकार में इस तरह ज्ञापन देकर विपक्ष का सहयोग करने पर अध्यक्ष की तारीफ हो रही है, परंतु सवाल यह उठता है कि क्या हापुड़ रोड और राजनगर रोड भी खोले जाएंगे? ई-रिक्शा चालकों के भूखे मरने की स्थिति में कब तक इन सड़कों पर

➠हापुड़ रोड और राजनगर रोड अब तक बंद, ई-रिक्शा चालकों का रोजगार प्रभावित

➠अपनी ही सरकार में ज्ञापन देकर श्रेय लेने की राजनीति

➠विपक्ष की भूमिका निभाकर भाजपा अध्यक्ष का दिखावा, असल समस्या अब भी बनी हुई

प्रतिबंध हटेगा? आम जनता अब इस तरह के झूठे श्रेय से भ्रमित नहीं होगी। पहले सरकार ने सड़कों पर ई-रिक्शा चलाने पर रोक लगाई, फिर कुछ सड़कों से प्रतिबंध हटाकर इसे अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया। जब अधिकारियों से मिलकर समाधान किया जा सकता है, तो हापुड़ रोड और राजनगर रोड कब तक खोले जाएंगे? यह सवाल भाजपा महानगर अध्यक्ष से किया जा रहा है। ई-रिक्शा चालकों की असली समस्या अभी भी ज्यों की त्यों बनी हुई है, और अब वक्त आ गया है कि भाजपा नेतृत्व इस पर ध्यान दे।

गाजियाबाद में सर्किल रेट में अचानक तीन गुना वृद्धि

संपत्ति खरीदारों और बैनामा लेखकों में हड़कंप

अहम सत्ता

(चौधरी अफसर)

गाजियाबाद, - यदि आप दिल्ली से सटे गाजियाबाद में प्रॉपर्टी खरीदने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। बुधवार को गाजियाबाद में अचानक सर्किल रेट में तीन गुना तक का इजाफा कर दिया गया है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

सर्किल रेट में तीन गुना बढ़ोतरीः

गाजियाबाद के वेव सिटी में सर्किल रेट तीन गुना बढ़ा दिए गए हैं, जबकि गाजियाबाद सदर में यह वृद्धि 10 से 15 प्रतिशत तक की गई है। नई दरें अब लोकेशन के हिसाब से निर्धारित की जाएंगी, जो पहले से ही उच्च स्तर पर हैं। यह वृद्धि अचानक की गई है और इसके बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी।

बैनामा लेखकों और रजिस्ट्री कराने वालों में हंगामाः

जैसे ही लोगों को यह जानकारी मिली कि स्टांप पेपर पर शुल्क बढ़ा दिया गया है, उन्होंने तहसील में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बैनामा लेखकों और रजिस्ट्री कराने वालों ने 1 घंटे के लिए तहसील में हड़ताल की और आरोप लगाया कि सर्किल रेट में अचानक बढ़ोतरी की कोई सूचना पहले नहीं दी गई थी। इस बदलाव ने रजिस्ट्री प्रक्रिया में बाधा डाली और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रशासन की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहींः

इस घटनाक्रम पर प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। अचानक की गई वृद्धि ने सभी को चौंका दिया है और अब लोग यह जानने के लिए चिंतित हैं कि क्या भविष्य में और भी ऐसी अप्रत्याशित वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है।

यह बदलाव न केवल संपत्ति खरीदारों के लिए एक बड़ा झटका है बल्कि बैनामा लेखकों और रजिस्ट्री वकीलों के लिए भी समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स हब बनेगा तमिलनाडु..... जेबिल इंक करेगी 2,000 करोड़ रुपये का निवेश

5,000 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा

चेन्नई।

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय अनुबंध पर विनिर्माण करने वाली कंपनी जेबिल इंक, जो कि अमेरिकी मोबाइल विनिर्माता की सप्लायर है, उस कंपनी ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक नया इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण संयंत्र लगाने की घोषणा की है। प्लांट में कंपनी 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 5,000 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा। इस नए निवेश के बाद फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद तमिलनाडु में एप्पल का यह चौथा प्रमुख आपूर्तिकर्ता होगा। अमेरिकी कंपनी जेबिल इंक, जो पहले से ही सिस्को और एचपी जैसी कंपनियों की आपूर्तिकर्ता है, ने हाल ही में भारत में एप्पल के लिए एयरपोड के पुर्जों का उत्पादन शुरू किया था। जेबिल की प्रमुख उत्पादन इकाइयां भारत से चीन और वियतनाम को निर्यात करती हैं। कंपनी का पुणे में स्थित संयंत्र 8.58 लाख वर्गफुट में फैला हुआ है, जहां करीब 2,500 कर्मचारी काम करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की हाल ही में हुई अमेरिकी यात्रा के दौरान निवेश सौदे को अंतिम रूप दिया गया। इस बारे में सीएम स्टालिन ने जानकारी देकर एक्स पर लिखा कि जेबिल द्वारा तिरुचिरापल्ली में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश से 5,000 नौकरियों का सृजन होगा और एक नया इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर तैयार होगा। इसके साथ रॉकवेल ऑटोमेशन भी कांचीपुरम में 666 करोड़ के निवेश के साथ अपने संयंत्र का विस्तार करेगी, जिससे 365 नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। तमिलनाडु सरकार युवाओं को कौशल विकास के लिए और एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए ऑटोडेस्क के साथ भी एक समझौते पर हस्ताक्षर कर चुकी है। बात दें कि तमिलनाडु हाल के दिनों में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में तेजी से उभरा है, खासकर आईफोन के निर्यात में वृद्धि के कारण इस दक्षिण के राज्य में निर्यात तेजी से बढ़ा है।

कच्चे तेल में गिरावट से पेंट, एविएशन, टायर के शेयरों में आएगा उछाल

नई दिल्ली।

कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2021 के बाद यह पहला मौका है जब ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया है। ऐसे में उन शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है, जिनका कनेक्शन कच्चे तेल के इस्तेमाल और आपूर्ति से है। क्रूड की कीमतों में गिरावट के चलते पेंट, एविएशन, केमिकल, टायर और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। चूंकि, भारत पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति के लिए क्रूड आयात करता है। ऐसे में भाव कम होने से महंगाई में भी राहत देखने को मिल सकती है।

क्रूड की कीमतों के तीन साल के निचले स्तर पर पहुंच जाने से पेंट, एविएशन, टायर और केमिकल शेयरों में अच्छी तेजी आने की संभावना है। दरअसल कच्चे तेल का इस्तेमाल पेंट, टायर और केमिकल मटेरियल बनाने में किया जाता है।

ऐसे में सस्ता क्रूड मिलने से इन कंपनियों की इनपुट कॉस्ट कम होगी और मुनाफा भी बढ़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में पेंट्स शेयरों ने ज्यादा अच्छा रिटर्न नहीं मिला है।

मार्केट लीडर एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स स्थिर रहे हैं, वहीं कंसाई नेरोलैक के शेयर मूल्य में नौ फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर बालकृष्ण इंडस्ट्रीज, सिएट, अपोलो टायर्स और जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज जैसे टायर शेयरों ने 22फीसदी से 62फीसदी के बीच रिटर्न दिया है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के आईपीओ का बाजार ने किया धमाकेदार स्वागत

मुंबई।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के 6,560 करोड़ के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को दूसरे दिन भी निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। दूसरे दिन आईपीओ को 7.50 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ। निवेशकों की इस सक्रिय भागीदारी ने बाजार में मजबूत उत्साह पैदा किया है, इससे यह आईपीओ बेहद आकर्षक साबित हो रहा है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ को सब्सक्राइब करने का आखिरी दिन है। पिछले दो दिनों में आईपीओ में बंपर सब्सक्रिप्शन मिला है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ को दूसरे दिन जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जहां कुल सब्सक्रिप्शन 7.51 गुना दर्ज हुआ। नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से को 16.45 गुना सब्सक्राइब किया गया, जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबीएस) के हिस्से को 7.46 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआईएस) के लिए आरक्षित कोटा 3.83 गुना भरा गया, जो निवेशकों की मजबूत रुचि को दर्शाता है। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से शानदार रुझान मिल रहा है, जिसमें दूसरे दिन 7.51 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज हुआ है। आईपीओ की शुरुआती शेयर बिक्री 11 सितंबर बुधवार को समाप्त होगी।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ के लिए प्रति शेयर मूल्य बैंड 66-70 तय किया है। इस आईपीओ में 3,560 करोड़ तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएगें। साथ ही इसके मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ के इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफर-फॉर-सेल) होगी। यह शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उन नियमों का पालन करने के लिए हो रही है, जिसके तहत शीर्ष स्तरीय गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसीएस) को सितंबर 2025 तक स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होना जरुरी है।

ग्रे मार्केट में, बजाज हाउसिंग फाइनेंस के शेयर अपने इश्यू प्राइस 70 (ऊपरी प्राइस बैंड) के मुकाबले 94.29 प्रतिशत प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। इसका मतलब है कि ग्रे मार्केट में शेयर की कीमत काफी बढ़ी हुई है, जो निवेशकों के बीच इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है।

यूएलआई बनेगा नया उपक्रम, इस इकाई में बैंक हिस्सेधारक के रूप में जुड़ेंगे

नई दिल्ली।

यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) को अलग कर एक नए उपक्रम में इसे तबदील किया जा सकता है। बैंक इस उपक्रम में अपनी हिस्सेदारी रखेंगे। यूएलआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इनोवेशन हब (आरबीआईएच) का हिस्सा है लेकिन अब इसे अलग किया जा सकता है। इस मामले के जानकार ने बताया यूएलआई को व्यावसायिक रूप देने एक नई इकाई खड़ी करनी होगी। मौजूदा स्वरूप यानी आरबीआईएच के अंदर यह कार्य नहीं किया जा सकता। आरबीआई एवं इसकी सहायक इकाइयों को व्यावसायिक परिचालन की इजाजत नहीं है। आरबीआईएच केंद्रीय बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई है। यूएलआई जिस रूप में है उसमें इसे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। एनपीसीआई की स्थापना भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के अंतर्गत हुई है। सूत्रों ने बताया कि यूएलआई के लिए अलग से एक इकाई तैयार करने की संभावनाओं पर चर्चा जारी है। इस इकाई में बैंक हिस्सेधारक के रूप में जुड़ेंगे। यह ठीक एनपीसीआई की तर्ज पर होगा जिसमें सार्वजनिक बैंक, विदेशी बैंक, सहकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की हिस्सेदारी है। पिछले महीने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि पीटीपीएफसी को यूएलआई के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने ऋण आवंटन पर इसके संभावित प्रभाव की तुलना देश में भुगतान खंड में यूपीआई से आए बदलाव से की थी। यूएलआई का मकसद कर्जदाताओं तक डिजिटल जानकारियां पहुंचाना है। यह बिना किसी रुकावट के कम समय में ऋण आवंटन तय कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों, अकाउंट एग्रीगेटर, बैंक, क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी, डिजिटल पहचान प्राधिकरणों सहित अन्य स्रोतों से जानकारियां जुटाएगा। सूत्रों ने संकेत दिए कि आरबीआई यूएलआई में हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रहा है ताकि इसमें पुरानी और नई वित्त-तकनीक एनबीएफसी भी शामिल हो सकें। पीटीपीएफसी में आधार ई-केवाईसी, भागीदार राज्य सरकारों की जमीन का लेखा-जोखा, उपग्रह से जुड़ी जानकारी, स्थायी खाता संख्या (पैन) सत्यापन, ट्रांसलिटरेशन, आधार ई-हस्ताक्षर, अकाउंट एग्रीगेटर सहित दुग्ध सहकारी संस्थाओं और जायदाद की खोज से जुड़ी कई जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं।

निर्देशों का पालन नहीं करने वाले दो निजी बैंकों पर लगा करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऐलान किया है कि उसने दो निजी बैंकों, एक्सिस बैंक लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड पर कई नियामक निर्देशों का पालन न करने पर जुर्माना ठोका है। आरबीआई ने इसी साल तीन सितंबर को एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ और एचडीएफसी बैंक पर एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई बैंकों द्वारा नियामक नियमों का पालन न करने की वजह से की गई है। ऐक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ का जुर्माना आरबीआई की जांच के बाद लगाया। यह जांच 31 मार्च 2023 तक की बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर की गई थी। इस दौरान बैंक द्वारा बैंकिंग नियमों के कई उल्लंघन पाए गए, जिसके चलते यह जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई के मुताबिक बैंक ने ऐसे खाताधारकों के लिए बचत खाते खोले जो इसके योग्य नहीं थे। साथ ही बैंक ग्राहकों को यूनिक कस्टमर आईडी देने में भी नाकाम रहा। बैंक ने 1.60 लाख तक के कृषि ऋण के लिए गिरवी रखी संपत्ति को सुरक्षित नहीं किया। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना 'जमा पर ब्याज दर' 'अपने ग्राहक को जानें (केवॉयसी) और कृषि ऋण प्रवाह बिना गिरवी के कृषि ऋण जैसे नियमों का पालन नहीं करने की वजह से लगाया गया है।

इसी तरह एचडीएफसी बैंक पर भी आरबीआई ने एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बैंक द्वारा जमा पर ब्याज दर, रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति और बैंकों में ग्राहक सेवा से जुड़े आरबीआई के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। आरबीआई ने बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर 31 मार्च 2022 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आईएसई 2022 (निगरानी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण) किया।

भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार......2030 तक पैदा करेगा 5 करोड़ नौकरियां

नई दिल्ली।

भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना बिक्री के आंकड़े को पार कर लेगा और 5 करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उम्मीद जाहिर की हैं कि भारत भविष्य में दुनिया का शीर्ष वाहन विनिर्माण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा, भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना तक पहुंचेगा है और इस ईवी बाजार से पांच करोड़ नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भारतीय ईवी बाजार की क्षमता 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। अनुमान के मुताबिक, ईवी वित्तपोषण बाजार का आकार चार लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि लीथियम-आयन बैटरियों की लागत में और कमी आने की उम्मीद है, इससे किफायत में मदद मिलेगी और इस प्रकार बड़े पैमाने पर इसकी स्वीकार्यता में तेजी आएगी।

45 फ़ीसदी बढी क्रिप्टो करेंसी की धोखाधड़ी

भारत मे हुआ 370 करोड़ का नुकसान

नईदिल्ली। क्रिप्टोकरंसी की धोखाधड़ी बढ़ती ही जा रही है। 2023 की तुलना में 2024 में 45 फ़ीसदी धोखाधड़ी की घटनाएं बढ़ गई हैं। भारत में क्रिप्टो धोखाधड़ी के 840 मामले दर्ज किए गए हैं। दुनिया के पांच देशों में हुई धोखाधड़ी में भारत का नाम भी शामिल है। भारतीय निवेशकों को क्रिप्टो की धोखाधड़ी से 370 करोड रुपए का नुकसान हुआ है। बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी के बाद से क्रिप्टो करंसी का लेनदेन बड़ी तेजी के साथ भारत में बढा है। 2022 के बाद से क्रिप्टोकरंसी का कारोबार कम हो गया है।

अब अंबानी इनरवियर इंडस्ट्री में रखेंगे कदम, इजराइली कंपनी से की साझेदारी

नई दिल्ली। मशहूर कारोबारी मुकेश अंबानी खिलौने, कपड़े और चॉकलेट जैसे व्यापार के बाद अब इनरवियर इंडस्ट्री में कदम रखने वाले हैं। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इजराइल की इनरवियर निर्माण करने वाली कंपनी डेल्टा गैलिल के साथ साझेदारी की है। इस जॉइंट वेंचर से रिलायंस, जॉकी, स्पीडो और लेविस जैसे प्रमुख ब्रांडों को टक्कर देगी। रिलायंस और डेल्टा गैलिल का यह जॉइंट वेंचर मौजूदा रिलायंस ब्रांडों के लिए इनरवियर तैयार करेगा और साथ ही डेल्टा गैलिल के प्रमुख ब्रांड जैसे सेवन फॉर ऑल मनकिंड और नेसेसिटिज को भारतीय बाजार में पेश करेगा। डेल्टा गैलिल पहले से ही कई बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स जैसे कैल्विन क्लेन, टॉमी हिलफिगर, और कोलंबिया के लिए इनरवियर उत्पाद बनाती है और हाल ही में एडिडास और पोलो राल्फ लॉरेन के साथ भी साझेदारी की है। कुछ सालों में रिलायंस रिटेल ने केलोविया, जिवामा और अमानते जैसे ब्रांडों का अधिग्रहण किया है। ये ब्रांड्स 2023-2024 के वित्त वर्ष में 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिक्री कर चुके हैं। वजीर एडवाइजर्स के मुताबिक भारत का इनरवियर बाजार 2025 तक 75,466 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें महिलाओं के इनरवियर का 60फीसदी और पुरुषों का 30फीसदी हिस्सा है। विशेषज्ञों के मुताबिक मध्यम और प्रीमियम इनरवियर सेगमेंट में वृद्धि हो रही है, खासकर महिलाओं के बीच। महिलाओं की बढ़ती आय और आरामदायक व स्टाइलिश इनरवियर की मांग इस बाजार को तेजी से आगे बढ़ा रही है। फैशन के प्रति रुचि बढ़ने से पुरुषों के इनरवियर सेगमेंट में भी विस्तार हो रहा है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर आइसक्रीम बिजनेस बेचेगी! कई कंपनियां खरीदने को तैयार

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने आइसक्रीम व्यापार के पुनर्गठन की संभावनाओं का आकलन करने स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति गठित की है। कंपनी इस आइसक्रीन व्यापार को बेचने पर विचार कर सकती है। कई कंपनियों ने इसे खरीदने में दिलचस्पी भी दिखाई है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के पोर्टफोलियो में क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम जैसे ब्रांड्स शामिल हैं। आरजे कॉर्प पहले से क्रीम बेल आइसक्रीम बेचती है, जो भारत के आइसक्रीम ब्रांडों में शुमार है। इसके पास 25 राज्यों में मैजूदा और 11 हजार पुश कार्ट हैं। वहीं एमएमजी ग्रुप जो उत्तर और पूर्वी भारत में मैकडॉनल्ड्स चलाता है और कोका-कोला के लिए फ्रैंचाइजी बॉटलर है। इसका आइसक्रीम और फ्रोजन डेसर्ट में बैक-एंड तालमेल है। नेस्ले इंडिया ने पिछले दशक में ग्लोबल आइसक्रीम ब्रांड मोवेनपिक को बेचा था। कंपनी नेस्ले की भारतीय यूनिट भी इसे खरीदने में दिलचस्पी दिख रही है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के आइसक्रीम व्यापार में प्रमुख ब्रांड्स जैसे क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम शामिल हैं। कंपनी की सालाना 60 हजार करोड़ की बिक्री में आइसक्रीम बिजनेस की हिस्सेदारी करीब तीन फीसदी है। हिंदुस्तान यूनिलीवर की पैरेंट कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी आइसक्रीम निर्माता है, जिसमें बेन एंड जेरी और मैग्नम जैसे ब्रांड्स शामिल हैं। भारतीय आइसक्रीम बाजार वित्त वर्ष 2025 तक पांच बिलियन को पार करने की उम्मीद है, जबकि 2023 में यह 3.4 बिलियन का था।

भारत से आईफोन निर्यात में 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई

नई दिल्ली। भारत से आईफोन का निर्यात वित्त वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में 5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो पिछले साल सामाना अवधि में 3.2 अरब डॉलर था। इस वर्ष आईफोन निर्यात में 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इसकी जानकारी अमेरिकी मोबाइल कंपनी एप्पल के वेंडर द्वारा मोदी सरकार को दी गई है। एप्पल ने भारत में आईफोन 16 और आईफोन 16 मैक्स के निर्माण का निर्णय लिया है, जिससे देश से उसके निर्यात में और अधिक वृद्धि की संभावना है। एप्पल के आंकड़ों के अनुसार, इस साल के शुरुआती पांच महीनों का निर्यात वित्त वर्ष 2022 के कुल निर्यात के बराबर है, जो भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। दरअसल आईफोन का निर्माण फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रन (अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स) जैसे तीन प्रमुख वेंडरों के द्वारा होता है। ये सभी कंपनियां उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आईफोन का उत्पादन करती हैं। इन तीनों वेंडरों ने संयुक्त रूप से वित्त वर्ष 2025 के लिए 8.9 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो पीएलआई योजना का चौथा वर्ष है। यह वृद्धि भारत में एप्पल के बढ़ते निवेश और उत्पादन क्षमताओं को दिखाती है, जो वैश्विक स्तर पर देश को स्मार्टफोन निर्माण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रही है।

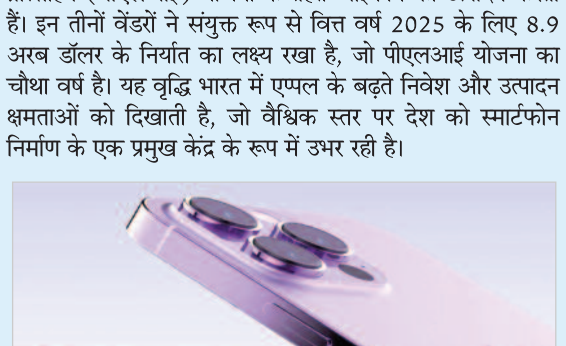

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियों टाटा मोटर्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट से भी बाजार पर दबाव पड़ा और वह नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 398.13 अंक करीब 0.49 फीसदी नीचे आकर 81,523.16 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी 122.65 अंक तकरीबन 0.49 अंक नीचे आकर 24,918.45 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान के सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक गिरे। इसमें करीब 6 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा एनटीपीसी, अदानी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और टाइटन के शेयर भी गिरे।

वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस , हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 2,208.23 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रने से आई है। । शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 70 अंक करीब 0.08 फीसदी नीचे आकर 81,851 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 20 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी टूटकर 25,020 पर पहुंच गया।आर्थिक आंकड़ों के अलावा एशियाई बाजारों से आज सुबह कमजोर संकेत मिलने से भी भारतीय बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। निवेशक अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) डेटा का इंतजार कर रहे हैं, जिससे ब्याज दरों में कटौती की जानकारी हासिल की जा सके।

वहीं एशियाई बाजार की की बात करें तो जापान के निक्केई 225 में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.86 फीसदी नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स भी 0.20 फीसदी गिरा हालांकि, कोसडैक इंडेक्स में 1.61 फिसदी की बढ़त रही। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स मामूली रूप से बढ़ा, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स वायदा 17,072 पर दिखे, जो कि एसएसआईद्ध के पिछले बंद स्तर 17,190 से कम है। वहीं, कल अमेरिकी बाजारों में मिलाजुला कारोबार दर्ज किया गया। निवेशक अमेरिका के महंगाई आंकड़ों और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव बहस का इंतजार कर रहे हैं। डाउ जोन्स 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 0.45 फीसदी की बढ़त रही।इसके अलावा नैस्डैक कंपोजिट में 0.84 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

देश में चार्जिंग स्टेशन को बढ़ावा देने 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी का बयान

नई दिल्ली।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि मोदी सरकार ई-मोबिलिटी की निरंतर वृद्धि में सहयोग के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करने पर ध्यान देने के साथ एक मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सम्मेलन में कहा, 'हमारा मंत्रालय चार्जिंग आधारभूत ढांचे पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि बनी रहेगी। इतना ही नहीं हम इस आधारभूत ढांचे को नवीकरणीय ऊर्जा के संसाधनों से अनिवार्य रूप से एकीकृत करने के लिए सचेत हैं ताकि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से अधिकतम पर्यावरणीय फायदे हासिल हो सके। उन्होंने उद्योग से आग्रह किया कि विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के साथ भारत के चिरस्थायी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध प्रयास और सहयोग करें। मोदी सरकार बहुप्रतीक्षित फेम-तीन योजना के तहत चार्जिंग आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दे रही है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारी उद्योग मंत्रालय देशभर में चार्जिंग स्टेशन को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है। फेम के शुरुआती चरणों में चार्जिंग आधारभूत ढांचे पर

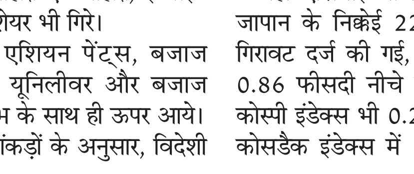

प्रमुख रूप से ध्यान दिया गया। मोदी सरकार ने फेम-1 में 520 चार्जिंग स्टेशन को मंजूरी दी थी। भारी उद्योग मंत्रालय के 2021 के बयान के अनुसार इसमें 452 स्थापित हुए थे। मंत्रालय ने 3 तेल विपणन कंपनियों को 7,432 इलेक्ट्रिक व्हीकल पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित के लिए 800 करोड़ रुपये दिए थे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट आई है। दिसंबर 2021 के बाद पहली बार ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव आया है। असम, कर्नाटक और केरल में पेट्रोल सस्ता हुआ है, जबकि एमपी, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में कीमतें बढ़ी हैं। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। चारों महानगरों की बात करें तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

बहराइच में अब बंदरों का आतंक : स्कूली बच्चों से छीन लेते हैं टिफिन

बहराइच। जिले के ग्राम चौखड़िया में लोग बंदरों से परेशान हैं। यहां स्कूल जा रहे छात्रों के बैग से बंदर टिफिन निकाल लेते हैं। घर के आंगन में खाना बना रहीं महिलाओं के हाथ से आटा या रोटी छीनकर ले जाते हैं। विरोध करने पर काट लेते हैं। अभी तक सौ से अधिक लोगों को बंदर काट चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि बंदर रास्ते मे ही रोक कर हमला कर बैग में रखे खाने-पीने वाले सामान निकाल लेते हैं। अगर कोई बच्चा बैग छुड़ाने या भागने की कोशिश करता है। तो ये सीधे हमला कर काट लेते हैं। इतना ही नहीं जब महिलाएं घरों में भोजन तैयार करने बैठती हैं, तो आटा, चावल, सब्जी सब उठा ले जाते हैं। यहां तक कि लोगों के खेत मे लगी फसल, साग, सब्जी को भी बर्बाद कर देते हैं। ग्रामीणों से बातचीत में पता चला है कि इनकी संख्या सैकड़ों में नहीं बल्कि हजारों में है। तकरीबन 2 से 3 हजार बताए जा रहे हैं। लोग इस कदर परेशान हैं कि इसकी शिकायत को लेकर बहराइच जिलाधिकारी से भी मिल चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इन बंदरों की समस्या लगभग दो सालों से बनी हुई है। पहले इनकी संख्या कम थी, तो दिक्कत भी कम थी। अब बढ़ती संख्याओं ने दिक्कत भी बढ़ा दी है।ग्रामीणों से बातचीत में पता चला है कि इनकी संख्या सैकड़ों में नहीं बल्कि हजारों में है। तकरीबन 2 से 3 हजार बताए जा रहे हैं। लोग इस कदर परेशान हैं कि इसकी शिकायत को लेकर बहराइच जिलाधिकारी से भी मिल चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इन बंदरों की समस्या लगभग दो सालों से बनी हुई है। पहले इनकी संख्या कम थी, तो दिक्कत भी कम थी। अब बढ़ती संख्याओं ने दिक्कत भी बढ़ा दी है।

चूहों ने बजा दिया बैंक का सायरन, परेशान पुलिस रात भर करती रही छानबीन

हरदोई। शाहाबाद में रात एक बजे अचानक से बैंक का सायरन बजने लगा। सायरन बजते ही स्थानीय कोतवाली पुलिस में हड़कंप मच गया। इमरजेंसी सायरन बजने के बाद कोतवाली का पूरा पुलिस फोर्स बैंक की तरफ दौड़ पड़ा। बैंक कैशियर को बुलाकर घंटों छानबीन चलती रही, लेकिन कुछ नहीं मिला तो पुलिस के साथ बैंक कर्मियों ने भी राहत की सांस ली। इसके बाद पता चला कि चूहों ने सायरन वाला तार ही काट दिया था।बुधवार की देर रात लगभग 1 बजे बैंक का इमरजेंसी अलार्म एकाएक बजने लगा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मोहल्ले के लोग घर से बाहर निकल आए। घटना की सूचना पर पुलिस भी दौड़ी चली आई। शाहाबाद कोतवाली का पूरा फोर्स बैंक के बाहर खड़े होकर संदिग्ध की तलाश कर रहा था। काफी खोजने के बाद पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। इसके बाद बैंक के कैशियर को रात में ही तलब कर लिया गया और रात में बैंक खुलवाई गई। बैंक में सघन चेकिंग अभियान चला, लेकिन कुछ भी आपत्तिजनक या संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। हालांकि इस तफ्तीश के दौरान यह जरूर सामने आया कि बड़े-बड़े मोटे चूहों की शरारत ने इस अलार्म बजाने की घटना को अंजाम दिया और सबको हक्का बक्का कर दिया।

युवक ने प्रेमिका को संदेश भेजा... तुम शादी कर लेना,और झूल गया फांसी पर

गाजियाबाद। बिहार के रहने वाले एक युवक ने गाजियाबाद में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने सुसाइट नोट में आत्महत्या के कारणों का जिक्र नहीं किया है लेकिन अपनी अंतिम इच्छा जाहिर करते हुए अपनी प्रेमिका के लिए लिखा तुम शादी कर लेना। बहन के लिए लिखा कि तुम मां का ख्याल रखना और उन्हे अपने साथ ही रखना। मूलरूप से थाना पारू जिला मुजफ्फरपुर बिहार के गांव कटवाड़ा निवासी 25 वर्षीय कुंदन कुमार ठाकुर नंदग्राम थानाक्षेत्र के बनवारी नगर में ओमपाल यादव के मकान में किराये पर रहता था। वह एक निजी कंपनी में काम करता था। पुलिस के मुताबिक कुंदन ने मंगलवार तड़के अपने कमरे में पंखे से चादर का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह मकान मालिक ने उसे फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। एसीपी नंदग्राम का कहना है कि मौके से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है।पुलिस के मुताबिक मौके से मिले सुसाइड नोट को कुंदन ने बिहार की अपनी मूलभाषा में लिखा है। उसने लिखा कि दीदी अब हम नहीं रहना चाहते हैं। मम्मी को अपने साथ में रखिएगा। दुखी न रहने देना। अब हम नहीं रहेंगे और मम्मी को कभी तकलीफ न होने देना, इसका ध्यान रखना। कुंदन ने प्रेमिका का नाम लिखकर कहा कि मुझे माफ कर देना और तुम शादी कर लेना। कुंदन ने अंतिम इच्छा में लिखा कि जीजा अगर मैं मर गया तो मुझे अपने गांव लेकर जरूर चलिएगा। अंत में उसने गुडबाय लिखा । डीसीपी सिटी राजेश कुमार का कहना है कि मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने पर पता चला कि कुंदन एक लड़की के साथ प्यार में था। सुसाइड नोट में आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है। अंदेशा है कि प्रेमिका से अनबन होने पर उसने आत्महत्या की है।

महिला फ्लाइंग ऑफिसर यौन उत्पीड़न पर विंग कमांडर के खिलाफ मामला दर्ज

जम्मू। श्रीनगर में तैनात महिला फ्लाइंग ऑफिसर ने अपने ही विंग कमांडर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला ऑफिसर ने अपनी शिकायत में कहा कि- 'पार्टी के बाद स्टेशन पर विंग कमांडर ने मुझसे पूछा कि क्या आपको गिफ्ट मिला है? इस शिकायत पर अब आरोपी विंग कमांडर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला ऑफिसर ने अपनी शिकायत में आगे कहा, कि मैंने कहा कि मुझे कुछ नहीं मिला। तो उसने मुझे अपने कमरे में आने को कहा जहां बहुत से उपहार रखे हुए थे। जैसे ही मैं उसके साथ कमरे में गई। उसने मेरे साथ जबरदस्ती करनी शुरू कर दी। मैंने उसे रोकने की बार-बार अपील की। मेरे विरोध करने के बावजूद वह नहीं माना और मेरे साथ ओरल सेक्स करने लगा। अंत में मैंने उसे धक्का दिया और वहां से भाग गई। इस दौरान उसने मुझसे कहा कि हम शुक्रवार को फिर मिलेंगे, जब उसके परिवार के लोग चले जाएंगे।

रेलवे ट्रैक पर रील बनाना पड़ा भारी, दंपति समेत दो साल के मासूम की ट्रेन से कटकर मौत

लखीमपुर खीरी ।यूपी के लखीमपुर खीरी जिले के थाना खीरी क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर रील बनाना दंपति को भारी पड़ गया। दंपति और उनके ढाई साल के मासूम बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। दंपति 40 वें का मेला देखने आए थे। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। प्राप्त विवरण के मुताबिक यह हादसा लखीमपुर-सीतापुर रेल प्रखंड पर बुधवार की सुबह हुआ। सीतापुर जिले के थाना व कस्बा लहरपुर के मोहल्ला शेख टोला निवासी मोहम्मद अहमद (30) अपनी पत्नी नाजमीन और ढाई साल के पुत्र अकरम के साथ क्वेंटी कलां गांव में चल रहे 40 वें के मेले में आया था। बुधवार की सुबह करीब आठ बजे पत्नी ढाई साल के मासूम को गोद में लेकर पति के साथ उमरिया रेलवे पुल के पास ट्रैक पर मोबाइल से रील बना रही थी। इसी बीच ट्रेन आ गई। तीनों ट्रेन की चपेट में आ गए और उनकी कटकर मौत हो गई। शवों के चिथड़े करीब तीन सौ मीटर दूर तक बिखरे पड़े थे। हादसा जिसने सुना वो। मौके की तरफ दौड़ पड़ा। सैकड़ों की संख्या में लोगों का जमाववाड़ा लग गया। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और आरपीएफ के जवान भी पहुंच गए और शवों की पहचान कराने की कोशिश की। पहचान होने के बाद मृतकों के घर वालों को खबर की गई और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दंपति और उसके बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार वालों में चीख पुकार मच गई। बड़ी संख्या में परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर घर वालों को सौंप दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दंपति बच्चे को लेकर रील बना रहे थे। तभी ट्रेन आ गई और तीनों की जान चली गई।

15 हजार भारतीयों को इजरायल में मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने कहा है कि इजरायल ने भारत से 10 हजार श्रमिकों की मांग की है। इसके अलावा 5 हजार स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों की भर्ती के लिए अभियान चलाने के इरादे से भारत से संपर्क साधा है। एनएसडीसी ने कहा कि इजरायल के जनसंख्या, आव्रजन और सीमा प्राधिकरण (पीबा) ने निर्माण क्षेत्र की नौकरियों के लिए अनुरोध किया है। बता दें कि इसमें सैलरी 2 लाख होगी और खाना पीना भी फ्री होगा। पीबा की एक टीम आने वाले सप्ताह में भारत का दौरा करेगी ताकि चयन के लिए जरूरी कौशल परीक्षण किए जा सकें। एनएसडीसी ने कहा कि इजरायल जाने वाले निर्माण श्रमिकों के लिए भर्ती अभियान का दूसरा दौर महाराष्ट्र में चलाया जाएगा। इसके अलावा इजरायल को अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए पांच हजार स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों की भी जरूरत है।

मणिपुर में हालात चिंताजनक... पीएम मोदी विदेश और शाह देश में घूम रहे

राज्यसभा सांसद संजय राउत का मोदी सरकार पर हमला

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मणिपुर में जारी हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल पूछा। राउत ने बुधवार को प्रेसवार्ता के दौरान कहा, देश के गृह मंत्री यहां-वहां घूम रहे हैं, लेकिन मणिपुर के जो हालात हैं, उससे सभी वाकिफ हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता राउत ने कहा, मणिपुर में जो हालात हैं, उन चिंताजनक हालातों से निपटने का काम केंद्रीय गृह मंत्री का होता है। मगर वे मुंबई में राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। वह यहां लालबाग के राजा के दर्शन के लिए गए, चुनावी बैठक की। मगर उनके लिए मणिपुर की आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह से खत्म हो गई है। वहां रॉकेट और ड्रोन से हमले हो रहे, युद्ध की स्थिति है। इसके बाद देश का गृह मंत्रालय और एनएसए कहां गायब हैं?

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज करते हुए कहा, रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास का युद्ध खत्म करने के लिए पीएम मोदी वहां जाएंगे और तस्वीरें खिचवाएंगे। लेकिन, वे मणिपुर की सड़कों पर भी जाकर दिखाएं। मणिपुर में खुलेआम गोलीबारी, रॉकेट और ड्रोन से हमले हो रहे हैं, मगर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री चुप बैठे हैं। इन घटनाओं के लिए नीतीश और चंद्रबाबू नायडू जिम्मेदार हैं, जिन्होंने देश की कमान उन लोगों को दे दी है, जो एकदम खामोश बैठे हैं।

राउत ने नागपुर हादसे का जिक्र कर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया। उन्होंने पूछा, नागपुर में जो हुआ वह एक दर्दनाक घटना है। मेरा मानना है कि कानून सबके लिए सामान है। क्या संकेत चंद्रशेखर बावनकुले कानून से ऊपर हैं? क्योंकि उसके पिता भाजपा के बड़े नेता हैं। वे शराब पीकर गाड़ी चला रहा था। उसने ड्रिंक एंड ड्राइव के दौरान कई लोगों को मारने की कोशिश की। उसकी गाड़ी से एक बिल मिला है, जो पुलिस कभी भी नष्ट कर देगी।

उन्होंने कहा, सड़क सुरक्षा नियम नहीं बल्कि यह मूर्खतापूर्ण सट्टेबाजी नियम है। अगर हादसा लोगों के साथ होता तब पुलिस उस उसके परिवार और दोस्तों को पकड़ लेती। महाराष्ट्र को इतना घटिया गृह मंत्री कभी नहीं मिला। उन्हें महाराष्ट्र की जनता कभी माफ नहीं करेगी। वह अपनी पार्टी के नेता के बेटे को पनाह दे रहे हैं। राउत ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश सहित कई जगहों पर चीन घुसा हुआ है। ये सरकार डरी हुई है, जो सिर्फ पाकिस्तान को आंखें ही दिखा सकते हैं। पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।

पाकिस्तान द्वारा एलओसी पर फायरिंग, एक भारतीय जवान घायल

जम्मू। पाकिस्तान ने एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए एलओसी पर जमकर फायरिंग की। इससे बीएसएफ का एक जवान घायल हुआ है। वहीं भारतीय जवानों ने माकूल जवाब दिया है। खबर है कि बुधवार को पाकिस्तानी सेना ने बगैर किसी कारण के गोलीबारी कर दी। इस घटना में बीएसएफ यानी सीमा सुरक्षा बल के जवान घायल हो गया है। हालांकि, पाकिस्तान की इस हिमाकत का भारतीय जवानों ने भी जवाब दिया और गोलीबारी की। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि सीमा पार कोई हताहत हुआ है या नहीं। खास बात है कि जम्मू-कश्मीर में एक दशक से भी ज्यादा समय में पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पुलवामा हमले और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हो गए थे।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बुधवार सुबह यहां कहा कि लगभग 02-35 बजे, सीमा पार से अखनूर इलाके में बिना किसी कारण के गोलीबारी की गई। उन्होंने कहा कि बीएसएफ की ओर से गोलीबारी का माकूल जवाब दिया गया। उन्होंने जानकारी दी है कि सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और अंतरराष्ट्री सीमा और एलओसी यानी नियंत्रण रेखा के पास कड़ी निगरानी की जा रही है।भारत और पाकिस्तान के बीच 25 फरवरी 2021 को सीजफायर समझौता रिन्यू हुआ था। हालांकि, बीते साल ही रामगढ़ सेक्टर में पाकिस्तानी रेंजर की गोलीबारी में बीएसएफ के एक जवान की जान चली गई थी। खास बात है कि सीजफायर उल्लंघन ऐसे समय पर हुआ है, जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव तय हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा चुनाव तीन चरण में होंगे और जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में मतदान 01 अक्टूबर को होगा। दूसरे चरण का चुनाव 25 सितंबर को होगा और मतगणना 08 अक्टूबर को होगी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: सीटें हैं 288 और दावेदार हैं 345, घमासान तो होगा ही?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों का अभी ऐलान नहीं हुआ है। सियासी दल चुनावी अखाड़े में जब कूदेंगे तब कूदेंगे, इससे पहले सीट बंटवारे को लेकर दो दो हाथ होने की जमीन तैयार होती दिखाई दे रही है। महायुति में सीट शेयरिंग पर जिस तरह का पेंच फंसा दिखाई दे रहा है उससे लगता है कि मामला इतनी आसानी से नहीं सुलझ पाएगा। वजह ये है कि राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं। भाजपा चाहती है कि 160 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे तो शिंदे की शिवसेना 105 सीटों पर लड़ने का मन बना चुकी है जबकि अजित पवार की एनसीपी 80 सीटों का सपना देख रही है। यदि इन सभी सीटों को जोड़ दिया जाए तो इनकी संख्या 345 होती है, मतलब 57 अतिरिक्त सीटें कहां से आएंगी। बस,यहीं पेंच फंसेगा और सियासी घमासान मचेगा।

मीडिया में आ रहीं खबरों के मुताबिक एक पदाधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री शाह के दौरे के दौरान शिवसेना ने 100 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात रखी है। उन्होंने बताया कि शाह के सामने पूर्व में अविभाजित शिवसेना के साथ-साथ लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के प्रदर्शन को प्रेजेंटेशन दिया गया। उन्होंने कहा, हमें मिलने वाले मराठी और हिंदुत्व वोट बरकरार रहे।उन्होंने कहा, अपने दम पर शिवसेना (यूटीबी) ज्यादा वोट नहीं ले पाएगी। वो इंडिया ब्लॉक के कारण उसे वोट मिलेंगे। अगर हमें 100 से ज्यादा सीटें मिलती हैं, तो ही हम शिवसेना (यूबीटी) का मुकाबला कर पाएंगे और महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को हरा पाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर इस महीने के अंत तक मुहर लग सकती है। उन्होंने संभावनाएं जताई हैं कि शिवसेना को 80 से 90 सीटें और एनसीपी को 50 से 60 सीटें मिल सकती हैं। खास बात है कि डिप्टी सीएम पवार 25 सीटों पर भाजपा के साथ फ्रेंडली फाइट की खबरों का खंडन कर चुके हैं। जबकि रिपोर्ट के अनुसार, शिवसेना 100 से 105 सीटों पर दावा पेश कर रही है। वहीं, भाजपा 160 सीटों पर उम्मीदवार उतारना चाहती है। जबकि, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी 60 से 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जता रही है। महाराष्ट्र में विधानसभा सीटों की कुल संख्या 288 है। इससे पहले साल 2019 का विधानसभा चुनाव भाजपा और अविभाजित शिवसेना ने साथ मिलकर लड़ा था।

बीजेपी ने हमेशा धर्म की राजनीति की, डराना धमकाना ही उसका काम: उमर अब्दुल्ला

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी का दौर शुरु हो गया है। सभी दल पूरी ताकत से चुनाव प्रचार में जुट गए हैं और एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बीजेपी पर हमला बोला। उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ के कुंतवाड़ा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार सज्जाद अहमद किचलू और पद्दार नागसीनी के उम्मीदवार पूजा ठाकुर के पक्ष में मतदान करने की लोगों से अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हमेशा धर्म की राजनीति की है।

उमर ने बीजेपी की नीतियों और कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने जम्मू-कश्मीर में डबल इंजन सरकार का दावा किया। हमने भी दस साल तक डबल इंजन सरकार देखी, लेकिन इसका लाभ केवल बीजेपी को ही मिला। हम सालों से इस दिन का इंतजार कर रहे थे कि चुनाव होंगे। 2014 में बीजेपी ने उन लोगों से हाथ मिला लिया, जिनके खिलाफ बीजेपी हमेशा बोलती थी।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हमेशा धर्म के नाम पर राजनीति की, हमने कभी ऐसा नहीं किया। मैं जानता हूं कि जब हम परेशान होते हैं, तो हर धर्म के लोग परेशान होते हैं। हमने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगा। ये बीजेपी वाले डराने-धमकाने के अलावा कुछ नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अफवाह फैलाई है कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस सत्ता में आ जाएंगे तो यहां फिर आतंकवाद वापस आ जाएगा। मैं इन लोगों को याद दिलाना चाहता हूं कि जब मैं सत्ता में था, तो हमने यहां से आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर में मतदान तीन चरणों में होना है। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर, दूसरा चरण 25 सितंबर और अंतिम चरण के लिए एक अक्टूबर को होगा। चुनाव परिणाम आठ अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

ग्रामीण क्या शहरी स्वास्थ्य सेवाओं की हालत भी दयनीय

-स्वास्थ्य मंत्रालयों द्वारा जारी आंकड़ों से हुआ खुलासा, डॉक्टरों की है भारी कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दावे तो बहुत होते हैं, लेकिन हकीकत यही है कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी होने के बावजूद प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। चिकित्सकों की भारी कमी और विशेषज्ञों का टोटा अस्पतालों का स्वास्थ्य बिगाड़े हुए है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ और सामान्य चिकित्सकों की भारी कमी से अस्पताल जूझ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में 68 फीसदी विशेषज्ञ डौक्टर्स और 22 फीसदी सामान्य डॉक्टर्स की कमी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रामीण सीएचसी में सर्जन के 73 फीसदी, फिजीशियन के 69 फीसदी, शिशु रोग विशेषज्ञों के 68 फीसदी और स्त्री रोग विशेषज्ञों के 61 फीसदी पद खाली पड़े हुए हैं। यह कमी शिशु एवं मातृ मृत्यु दर सुधारने में प्रमुख बाधा बन रही है।

इसकी अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में स्थिति बेहतर है, लेकिन यहां पर जबकि 3,472 विशेषज्ञ चिकित्सकों की आवश्यकता है, और 1,415 पद अभी भी खाली हैं। पीएचसी में सामान्य डॉक्टरों के 19 फीसदी पद भी खाली हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं।

जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के 20फीसदी पद खाली हैं, जिससे सर्जरी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। हालांकि, पिछले 10 वर्षों में मेडिकल पीजी सीटों में 133 फीसदी और एमबीबीएस सीटों में 118 फीसदी की वृद्धि हुई है, लेकिन डॉक्टरों की कमी अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए ग्रामीण ही नहीं बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी आवश्यकता बनी हुई है। ग्रामीण इलाकों में, जहां चिकित्सकों की कमी से मरीजों की जान पर सदा खतरा बना रहता है वहीं अन्य सुविधाएं सुचारुरुप से नहीं चहने के कारण मरीज परेशान होते हैं और यहां-वहां भटकने को मजबूर होते हैं।

बीजेपी नेता झारखंड में सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले न दें बयान

-हेमंत सरकार ने चुनाव आयोग से किया आग्रह गृह मंत्री का दें सलाह

रांची (एजेंसी)। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बीजेपी नेताओं हिमंता बिस्वा सरमा और शिवराज सिंह चौहान को सलाह जारी करने के लिए कहे कि वे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए सांप्रदायिक तनाव भड़काने से बचें।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में झारखंड सरकार ने शाह को यह सलाह देने का भी आग्रह किया है कि राजनीतिक लाभ के लिए सीएम पद और ऑफिशियल मशीनरी का दुरुपयोग रोका जाए। इसके अलावा सरकारी खजाने का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए न किया जाए।

झारखंड के कैबिनेट सचिवालय एवं सतर्कता विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने भारत निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में बीजेपी पर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को डराने का प्रयास करने का आरोप लगाया है, ताकि वे न्यायोचित एवं विधिसम्मत निवारक एवं दंडात्मक कार्रवाई न कर सकें। उन्होंने कहा कि बीजेपी धार्मिक भावनाओं को प्रभावित और सांप्रदायिक अशांति पैदा करके क्षेत्र में सांप्रदायिक अशांति एवं तनाव पैदा करने का प्रयास कर रही है।

पत्र में निर्वाचन आयोग से निष्पक्षता तय करने, दोनों पक्षों को अवसर देने और आगामी विधानसभा चुनावों के संबंध में झारखंड में तैनात सरकारी अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से पहले विस्तृत जांच करने का भी आग्रह किया गया है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि न केवल राज्य के शीर्ष नौकरशाहों को धमकाने की कोशिश की जा रही है, बल्कि पूरे प्रशासन को पंगु और अपंग बनाने की कोशिश की जा रही है और उन नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है जो कीचड़ उछालने में लगे हैं। राज्य के आंतरिक मामलों और प्रशासन में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

हरियाणा में फिर बनेगी भाजपा सरकार : बबीता फोगाट

चरखी दादरी। विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने पर बबीता फोगाट ने कहा, टिकट नहीं मिलने की कोई टीस नहीं है। मैं भाजपा के कमल के फूल के लिए काम करती हूं। मैं मानती हूं की कमल का फूल जिसको भी मिल जाए, हम उनके साथ लगकर काम करेंगे, मेहनत करेंगे और कमल के फूल को खिलाएंगे। मैं आज के जोश को देखकर कह सकती हूं कि हम चरखी दादरी विधानसभा सीट जीतने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बहुत सोच समझकर चरखी दादरी से सुनील सांगवान को उम्मीदवार बनाया है। मैं पार्टी के इस फैसले के साथ खड़ी हूं। भाजपा प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूरे बहुमत के साथ हरियाणा में फिर से सरकार बनेगी। विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने पर बबीता फोगाट ने कहा कि यह विनेश का अपना निर्णय है, विनेश कुछ भी करें। सबकी अपनी-अपनी सोच है, हर किसी की अपनी विचारधारा है। राजनीति का मैदान हर किसी के लिए खुला हुआ है, कोई भी राजनीति कर सकता है। बबीता फोगाट के पिता महावीर फोगाट ने कहा था कि विनेश को 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेना चाहिए। इस पर बबीता फोगाट ने कहा, पापा विनेश के गुरु हैं। विनेश को अपने गुरु की बात माननी चाहिए थी। गुरु सही राह दिखाता है और अच्छी शिक्षा भी देता है। गुरु तो हमेशा चाहेगा कि उसका बच्चा अपने लक्ष्य तक जाए।

रेल हादसे का खुलासा: नॉन बिजी रूटों पर ही हुई ज्यादा घटनाएं

-एटीएस पता लगा रही कहीं इसके पीछे कोई आतंकी साजिश तो नहीं

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की कोशिश की गई थी। इसके बाद देश की कई एजेंसियां और एटीएस इसकी जांच कर रही हैं कि कहीं इसके पीछे कोई आतंकी साजिश तो नहीं। कानपुर में बीते कुछ दिन पहले भी ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई। वहीं एटीएस की रिपोर्ट की मानें तो बीते दो सालों में देश में 14 ऐसे रेल हादसे हुए हैं जिसमें एक आम बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन हादसों को अंजाम देने के लिए साजिशकर्ताओं ने नॉन बिजी रूट को अपना निशाना बनाया।

कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस हादसे की जांच करने के लिए एटीएस के आईजी नीलाभजा चौधरी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस हादसे को लेकर जांच की जा रही है। यह आतंकी साजिश हो भी सकती है और नहीं भी। जब उनसे यह सवाल किया गया कि कानपुर को ही क्यों टारगेट किया गया तो उन्होंने कहा कि सिर्फ कानपुर टारगेट है ऐसा नहीं है। यूपी के कई शहरों में इस तरीके के मामले सामने आए हैं। कालिंदी एक्सप्रेस हादसे को लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसी संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही हैं।

एटीएस रिपोर्ट सामने आई है जिसमें जब एटीएस द्वारा 2 साल में 14 ऐसे रेल हादसों पर स्टडी की गई तो उसमें एक चौंकाने वाली बात सामने आई। सामने आया कि साजिशकर्ताओं ने ट्रेन हादसा करने के लिए ऐसे रूट चुने थे जो नॉन बिजी रुट थे। उन रूट में ट्रेनों का आना-जाना कम था और इस वजह से ऐसे रूट ज्यादातर सूनसान रहते हैं तो उन पर लोगों का ध्यान और नजर नहीं जाती। कानपुर महानगर की बात की जाए तो करीब 1 महीने के अंदर रेलवे से जुड़े तीन हादसे हो चुके हैं जिसमें 17 अगस्त को कानपुर के गुजैनी से भीमसेन के बीच झांसी रोड पर साबरमती एक्सप्रेस डिरेल हो गई थी। इस घटना में 20 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इसकी जांच भी अभी एजेंसी कर रही है. इसमें भी अभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

वहीं बीते पांच सितंबर को गुजैनी पुल पर रेलवे ट्रैक पर एक ट्रक भी गिर गया था। इससे भी रेलवे काफी नुकसान हुआ था। फिर 9 सितंबर को कालिंदी एक्सप्रेस के ट्रैक पर एक सिलेंडर रखा गया था जिसमें ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई थी जिसकी जांच भी अभी कई खुफिया एजेंसी और एटीएस कर रही है।

मधुबन बापूधाम में मोटरसाइकिल चोरी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस टीम ने 12 सितंबर 2024 को मोटरसाइकिल चोरी के एक आरोपी संदीप उर्फ सन्नी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे मधुबन बापूधाम क्षेत्र के अक्षय एन्कलेव तिराहे, एनडीआरएफ रोड के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से दिल्ली से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई है। इस संबंध में थाना मधुबन बापूधाम में अभियोग पंजीकृत किया गया और आगे की आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

अभियुक्त का नाम व विवरण

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान संदीप उर्फ सन्नी पुत्र सुभाष, निवासी मकान नं0-4552, गली चौधरी सुन्दर सिंह, आयार्पुरा, रोशनारा रोड, सब्जी मण्डी, थाना सब्जी मण्डी, दिल्ली के रूप में हुई है। वर्तमान में वह मकान नं0 507/8 वाल्मीकि मोहल्ला, मस्जिद के पास, रहीसपुर, थाना मधुबन बापूधाम, जनपद गाजियाबाद में रह रहा था। उसकी उम्र लगभग 28 वर्ष है।

■पुलिस चेकिंग के दौरान दिल्ली से चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार

■अभियुक्त के खिलाफ गाजियाबाद और दिल्ली में दर्ज हैं दो मामले

अपराधिक इतिहास

संदीप उर्फ सन्नी के खिलाफ पहले भी दिल्ली के थाना सब्जी मण्डी में मोटरसाइकिल चोरी का एक मामला दर्ज है। इसके अलावा, अब गाजियाबाद के थाना मधुबन बापूधाम में चोरी की मोटरसाइकिल बरामदगी का एक और मुकदमा पंजीकृत किया गया है, जिससे कुल दो मामलों में वह आरोपी है।

थाना नंदग्राम पुलिस ने दो लूट की घटनाओं में शामिल

शातिर अभियुक्त खालिद को किया गिरफ्तार, 3000 रुपये बरामद

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

गाजियाबाद के थाना नंदग्राम पुलिस ने दो लूट की घटनाओं में शामिल एक शातिर अपराधी खालिद पुत्र वाजिद को गिरफ्तार कर लिया है। खालिद, जो हसन मस्जिद के पास, अशोक बिहार, लोनी, थाना लोनी, जनपद गाजियाबाद का निवासी है, पहले से ही कई अपराधों में लिप्त रहा है। उसकी उम्र 32 वर्ष है। पुलिस ने खालिद के कब्जे से लूट का माल बेचकर अर्जित किए गए 3000 रुपये भी बरामद किए हैं। दिनांक 12-09-2024 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान खालिद को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान खालिद ने खुलासा किया कि उसने अपने साथी साकिब के साथ मिलकर 26 जुलाई 2024 को राज एम्पायर सोसायटी के सामने एक महिला का मंगलसूत्र छीना था। इसके बाद

"अभियुक्त खालिद पर दिल्ली और बागपत में कुल ७ आपराधिक मामले दर्ज पूछताछ में महिला और पुरुष से सोने की चेन और मंगलसूत्र लूटने का किया खुलासा"

साकिब ने मंगलसूत्र बेचकर जो पैसे कमाए, वो दोनों ने आपस में बांट लिए थे। साथ ही, खालिद ने बताया कि 8 जुलाई 2024 को राज गार्डन सिटी सोसायटी, राजनगर एक्सटेंशन के सामने एक व्यक्ति से सोने की चेन छीनी थी, जिसे भी साकिब ने बेच दिया था और दोनों ने पैसे बांट लिए थे।

थाना वेव सिटी पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया, 02 मोबाइल फोन बरामद

अहम सत्ता

गाजियाबाद के थाना वेव सिटी पुलिस ने 11 सितंबर 2024 को मोबाइल चोरी के मामले में एक आरोपी रोहित राणा पुत्र विरेन्द्र राणा को गिरफ्तार किया। 10 सितंबर को वादी विनय की शिकायत पर थाना वेव सिटी में दो मोबाइल फोन चोरी के संबंध में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज और मैनुअल इनपुट के आधार पर रोहित को अर्बन होम्स सोसाइटी, आदित्य वर्ल्ड सिटी के सामने वाले रोड से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह नशे का आदी है और अपनी लत पूरी करने के लिए चोरी करता है। उसने स्वीकार किया कि उसने ही मोबाइल फोन चोरी किए थे और उन्हें बेचकर वह शराब का नशा करता है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी के दोनों मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं और आगे की वैधानिक कार्यवाही जारी है।

●सीसीटीवी फुटेज और मैनुअल इनपुट से अभियुक्त की पहचान और गिरफ्तारी

●नशे का आदि अभियुक्त ने चोरी कर बेचे हुए मोबाइल से नशे की लत पूरी करने की बात कबूली

अपराधिक इतिहास

अभियुक्त रोहित राणा के खिलाफ पहले से ही गाजियाबाद के थाना सिहानी गेट में लूट का एक मामला दर्ज है। इसके अलावा, थाना वेव सिटी में मोबाइल चोरी और थाना जारचा, गौतमबुद्धनगर में आयुध अधिनियम के तहत एक और मुकदमा दर्ज है।

मसूरी में नकली जर्दा और पान मसाला बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

(चौधरी अफसर)

अहम सत्ता

थाना मसूरी गाजियाबाद में 11.09.2024 को एक बड़ी कार्रवाई के तहत नकली जर्दा और पान मसाला बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। शिकायतकताओं नरेश गुप्ता और बृजेश कुमार ने पुलिस को सूचना दी थी कि यामीन कॉलोनी, खुशी मोहम्मद उर्फ बालू के मकान में नकली V-1 जर्दा और बिमल पान मसाला के रैपर की कटिंग का काम हो रहा है।

पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की और जावेद उर्फ अतिमोहम्मद और खुशी मोहम्मद उर्फ बालू को हिरासत में लिया।

● नकली उत्पादों के खिलाफ छापेमारी, कई संदिग्ध गिरफ्तार

● बड़ी मात्रा में नकली रैपर और रोल बरामद

● गोपनीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाई

छापेमारी के दौरान, पुलिस ने V-1 जर्दा के 6 बड़े रोल, बिमल पान मसाला के 4 रोल और कई अन्य नकली रैपर बरामद किए।

सभी बरामद सामग्री को सील कर लिया गया है और आरोपियों के खिलाफ कापीराइट एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल, पुलिस ने जावेद को हिरासत में ले लिया है और खुशी मोहम्मद की तलाश जारी है। सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है और मामले की जांच जारी है।

मोदीनगर पुलिस ने 50,000 रुपये के इनामी हत्या अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अहम सत्ता

गाजियाबाद के थाना मोदीनगर पुलिस टीम ने 11 सितंबर 2024 को हत्या के एक मामले में वांछित 50,000 रुपये के इनामी अभियुक्त आकाश उर्फ महादेव पुत्र यशपाल को गिरफ्तार कर लिया। आकाश, जो कि सीकरी खुर्द का निवासी है, अपने साथियों के साथ मिलकर 26 जुलाई 2024 को बब्लू उर्फ रामकुमार की हत्या और उसके बेटे सौरभ पर हमले में शामिल था। घटना के समय बब्लू की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी, जबकि सौरभ गंभीर रूप से घायल हुआ था। पूछताछ के दौरान आकाश ने खुलासा किया कि उसके और उसके साथियों का बब्लू के परिवार के साथ पुराना विवाद था। इस वजह से उन्होंने बदला लेने की योजना बनाई थी। घटना को अंजाम देने के बाद अभियुक्त और उसके साथी फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले में अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था और अब आकाश की गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

गाजियाबाद नगर निगम की नई बिल्डिंग की डीपीआर लगभग फाइनल: 80 करोड़ की लागत से बनेगा 5 मंजिला मुख्यालय

अहम सत्ता

चौधरी अफसर

गाजियाबाद में नगर निगम के मुख्यालय के लिए एक बड़ी योजना आकार ले रही है। 80 करोड़ की लागत से अर्थला में एक पांच मंजिला नई बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की Detailed Project Report (DPR) लगभग पूरी हो चुकी है, और जल्द ही शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

1. नई बिल्डिंग का निर्माण और लागत:

गाजियाबाद नगर निगम का नया मुख्यालय अर्थला क्षेत्र में 13000 वर्ग मीटर की जमीन पर बनेगा। इस पांच मंजिला इमारत का निर्माण 80 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यह बिल्डिंग नगर निगम की सभी प्रशासनिक गतिविधियों को एक स्थान पर समेटेगी और सुविधाजनक कार्यप्रणाली सुनिश्चित करेगी।

2. नवयुग मार्किट कार्यालय का भविष्य:

नगर निगम का वर्तमान मुख्यालय नवयुग मार्किट क्षेत्र में स्थित है। नई बिल्डिंग के शिफ्ट होने के बाद, यह कार्यालय सिटी जोन के दफ्तर के रूप में पुनः उपयोग किया जाएगा। यहां सभी सिटी जोन से संबंधित कार्य किए जाएंगे। शासन को इस बदलाव का प्रस्ताव भेजने की तैयारी शुरू हो चुकी है।

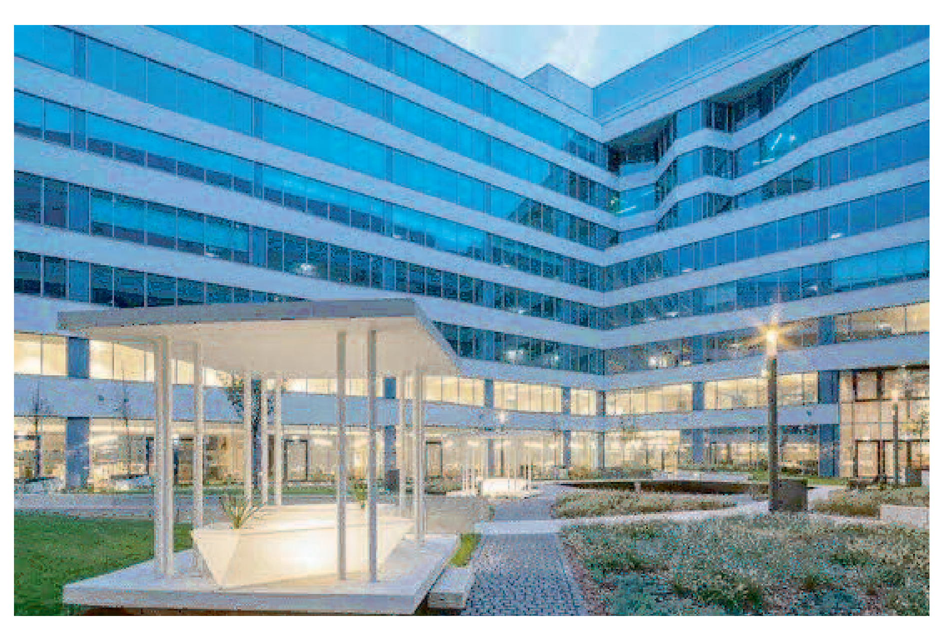

3. टाउन हॉल कार्यालय का हैरीटेज

नगर निगम का सिटी जोन कार्यालय टाउन हॉल इमारत में स्थित था, जो गाजियाबाद के पुराने शहर की यादगार इमारतों में से एक है। अब जब नगर निगम का मुख्यालय अर्थला में स्थानांतरित हो जाएगा, तो यह सिटी जोन कार्यालय हैरीटेज मिशन के तहत संरक्षित किया जाएगा। इसे हैरीटेज की अमानत के रूप में मान्यता दी जाएगी और इसके संरक्षण की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। इस नई योजना के तहत गाजियाबाद नगर निगम की कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा, जो शहर की प्रशासनिक सेवाओं को और भी कुशल और व्यवस्थित बनाएगा।

मौलाना कलीम सिद्दीकी के समर्थन में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मोहम्मद कैफ ने की अपील

चौधरी अफसर

अहम सत्ता

प्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मोहम्मद कैफ ((@kaif_6786) ने मौलाना कलीम सिद्दीकी साहब के ऊपर लगे धर्म परिवर्तन के केस को लेकर एक भावुक अपील की है।

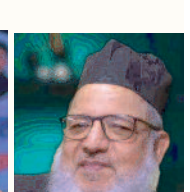

मोहम्मद कैफ ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सभी नौजवानों से दुआ करने की अपील करते हुए कहा कि मौलाना कलीम सिद्दीकी जैसे बुजुर्ग बहुत कम होते हैं, और उनके लिए दुआ की जाए कि अल्लाह उनकी हिफाजत करे। कैफ ने मौलाना कलीम सिद्दीकी पर लगे धर्म परिवर्तन के आरोपों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ऐसे समाज सुधारक और धार्मिक गुरुओं का होना हमारे समाज के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि वे शांति, सौहार्द और भाईचारे का संदेश फैलाते हैं। मौलाना कलीम सिद्दीकी लंबे समय से धार्मिक शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। उनके ऊपर लगे आरोपों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता व्याप्त है। इस मुद्दे पर मोहम्मद कैफ ने अपने फॉलोअर्स से अपील की है कि वे मौलाना के लिए न्याय और सुरक्षा की दुआ करें। कैफ की इस अपील के बाद सोशल मीडिया पर मौलाना कलीम सिद्दीकी के समर्थकों ने भी उनके पक्ष में अपनी आवाज बुलंद की है, और उम्मीद जताई है कि अदालत मौलाना को इस मामले में इंसाफ दिलाएगी।

गणेश चतुर्थी महोत्सव के पर्व पर हर्षोल्लास के साथ किया शुभारम्भ

अहम सत्ता

हापुड़ के प्राचीन गंगा मंदिर पर द्वितीय गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर भगवान गणेश की सात दिवसीय मूर्ति को बड़े ही हर्षोल्लास प्यारी प्यारी झांकियां के साथ पूजा के साथ। महोत्सव बनाया गया जिसमें समस्त नगरवासी/समाज सेवी सम्मिलित रहे। पुजारी पण्डित प्रेम नारायण ने बताया की गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। सात दिवसीय मूर्ति स्थापित कर भगवान गणेश चतुर्थी मनाई जाती है।इस दिन लोग अपने घरों में भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना करते हैं और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। यह पर्व गणेश उत्सव के दिनों की शुरूआत का भी प्रतीक है।भगवान गणेश अपने भक्तों की हर कष्ट से रक्षा करते हैं और हर कार्य के विघ्न और बाधाओं को दूर करते हैं। भगवान गणेश को बुद्धि के देवता माना जाता है और उनकी पूजा करने से बुद्धि तेज होती है। भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित कर प्राचीन गंगा मंदिर गढ़मुक्तेश्वर के समस्त समाजसेवी/नगरवासियों ने बड़े ही धूमधाम के साथ पर्व को मनाया।जिसमे उपस्थित मंदिर के पुजारी पंडित प्रेम नारायण,अमित शर्मा, निकुंज शर्मा,अनोखी शर्मा उर्फ (ताशु)लक्की कौशिक, हनी शर्मा, काशी शर्मा, तुषार शर्मा,वरुण कौशिक, वंश शर्मा,सोनू कौशिक,सुमित शर्मा(टकू),गोल्डी कौशिक,तरुण ठाकुर, बबलू शर्मा,राहुल शर्मा, प्रशांत मलिक,सत्ते शर्मा,राज, क्रिश, देव,पर्व शर्मा,आदि मौजूद रहे।